RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः45 , रविवार, 29 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

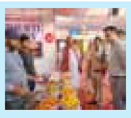
चंपारण एक्सपो 2026 के तृतीय दिवस के प्रथम सत्र का भव्य उद्घाटन संपन्न 03

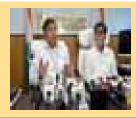
बिहार में 1 अप्रैल से शुरू होगी गेहूं की सरकारी खरीद, 48 घंटे में मिलेगा पैसा 04

2026 में वामिका गब्बी का धमाका, सात फिल्मों से करेंगी दर्शकों का... 07

संक्षिप्त समाचार

इथेनॉल से बच गए देश के 1.5 लाख करोड़

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया किसानों का आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि देश में इथेनॉल का उत्पादन बढ़ने से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम हुई है और विदेशी मुद्रा की भारी बचत हुई है। उन्होंने कहा कि देश में इथेनॉल का उत्पादन नहीं बढ़ता और पेट्रोल में उसकी ब्लेंडिग नहीं बढ़ती तो सालाना चार करोड़ बैरल अतिरिक्त कच्चे तेल विदेशों से मंगाना पड़ता। किसानों की मेहनत से देश को इस संकट

की घड़ी में राहत मिली है। ईरान संकट के कारण दुनिया में कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई है। मोदी ने दिल्ली के करीब जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद कहा,आपके गन्ने से जो इथेनॉल बनाया गया है, उससे कच्चे तेल पर देश की निर्भरता कम हुई है। अगर एथेनॉल का उत्पादन न बढ़ता, पेट्रोल में उसकी ब्लेंडिंग ने बढ़ती तो देश को हर साल साढ़े चार करोड़ बैरल यानी करीब 700 करोड़ लीटर कच्चा तेल विदेशों से मंगवाना पड़ता। किसानों के परिश्रम ने देश को संकट में इतनी बड़ी राहत दी है। प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि इथेनॉल से देश के साथ किसानों को भी फायदा हुआ है।

रूस ने 4 महीने के लिए पेट्रोल निर्यात रोका

1 अप्रैल से लागू, भारत पर कम, चीन-तुर्किये और ब्राजील पर ज्यादा असर

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक का फैसला किया है। उप-प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय से इस प्रस्ताव को तैयार करने को कहा। रूस के मुताबिक यह कदम घरेलू सप्लाई बनाए रखने और कीमतें नियंत्रित रखने के लिए है। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे इजराइल-ईरान जंग की वजह से ग्लोबल तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्शन बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। इससे कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है। रूस रोजाना 1.2 से

1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। इस फैसले से चीन, तुर्किये, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर प्रभावित हो सकते हैं। ये देश रूसी तेल उत्पादों के बड़े खरीदार हैं। भारत पर असर कम होगा क्योंकि वह पेट्रोल नहीं, कच्चा तेल खरीदता है। मॉस्को में शुक्रवार को पेट्रोल एक्सपोर्ट के बैन को लेकर बैठक हुई थी। इसमें खासतौर पर यह जोर दिया गया कि राष्ट्रपति पुतिन ईंधन कीमतें नियंत्रित रखना चाहते हैं। मंत्री नोवाक ने बैठक में कहा कि पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। तेल कंपनियों ने कहा कि पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और रिफाइनरियां पूरी या उससे अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं, जिससे जरूरत पूरी हो रही है। रूस पहले भी कीमत नियंत्रण और घरेलू सप्लाई के लिए पेट्रोल-डीजल निर्यात पर रोक लगा चुका है। पिछले साल भी हमलों से रिफाइनरियां प्रभावित हुई थीं।

युद्ध के संकट से देश को एकजुट होकर लड़ना है

● नोएडा में बोले पीएम मोदी,देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट जेवर का किया उद्घाटन

नोएडा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूपी के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह अभी देश का सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा- कल सभी राज्यों के सीएम से चर्चा हुई। देशवासियों से कहूंगा कि धैर्य और एकजुटता के साथ इस संकट का सामना करें। ये पूरी दुनिया को परेशान करने वाला संकट है। प्रधानमंत्री ने कहा- देश के राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि संकट की घड़ी में ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। एयरपोर्ट के पहले फेज का काम पूरा हो गया है। इसमें करीब 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए गए हैं। यह टर्मिनल हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से दुनिया के सामने संकट खड़ा हुआ

पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। इसके चलते कई देशों में संकट पैदा हो गया है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और किसानों पर बोझ न पड़े। 140 करोड़ देशवासी इस मुसीबत का एकजुट होकर सामना करें। नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था। कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया। तब पुराने मुख्यमंत्री (अखिलेश) इतने डरे हुए थे कि वे कार्यक्रम में आए ही नहीं। मुझे भी डराने की कोशिश की गई।

सपा ने पश्चिमी यूपी को लूट का एटीएम बना दिया था

सपा ने पश्चिमी यूपी को लूट का एटीएम बना दिया था। जब हमारी सरकार बनी तो यूपी में सपा की सरकार थी। शुरू के 2-3 सालों में उन्होंने जेवर एयरपोर्ट का काम नहीं होने दिया, लेकिन जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनी तो जेवर एयरपोर्ट की नींव पड़ी, निर्माण हुआ और अब शुरू भी हो गया। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 52 स्क्वायर किमी में बनना प्रस्तावित है। पूरा बनने की डेडलाइन 2040 है। नोएडा एयरपोर्ट अथॉरिटी से जुड़े अफसरों ने बताया- एयरपोर्ट से फ्लाइट मई से शुरू हो सकती है। एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खूबी यह है कि एंट्री के बाद 20 मिनट से कम समय में बोर्डिंग संभव है।

ममता सरकार के खिलाफ बीजेपी लाई 'चार्जशीट'

● भय, भ्रष्टाचार और हिंसा,अमित शाह ने सब बताया

कोलकाता (एजेंसी)।। बंगाल में विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कोलकाता में ममता बनर्जी सरकार की कथित विफलताओं के खिलाफ चार्जशीट (आरोप पत्र) जारी किया। कोलकाता के न्यूटाउन स्थित एक होटल में संवाददाता सम्मेलन के दौरान शाह ने चार्जशीट जारी करते हुए तृणमूल के 15 वर्षों के शासन में घुसपैठि व महिला अपराधों से लेकर भ्रष्टाचार, सिंडिकेट और घोटालों के आरोपों की बौछार करते हुए जोरदार हमला बोला। शाह ने कहा कि यह चार्जशीट काले कारनामों का संकलन है।

पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है बंगाल चुनाव

शाह ने कहा कि बंगाल का ये चुनाव सिर्फ बंगाल के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। पूरे देश की सुरक्षा बंगाल चुनाव के साथ एक प्रकार से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि ये चार्जशीट बंगाल की जनता द्वारा ममता बनर्जी के खिलाफ लगाया हुआ चार्जशीट है, जिसको भाजपा एक आवाज दे रही है। भाजपा ने तय किया है कि टीएससी के शासन के खिलाफ जनता के जो मुद्दे हैं इसको आवाज देना और बंगाल के चुनाव में ये जो पूरी अराजकता टीएससी के शासन में फैली है। इसका हम क्या हल लेकर आएंगे हम जवाब भी देंगे।

टीएमसी ने तुष्टीकरण और हिंसा की राजनीति को बढ़ावा दिया

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में टीएससी ने भय, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और हिंसा की राजनीति को बढ़ावा दिया है। भाजपा 2011 से इस कुशासन के खिलाफ संघर्ष कर रही है और अब जनता परिवर्तन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि बंगाल में टीएमसी के शासनकाल में उद्योग ठप हो गए हैं और विकास रुक गया है। घुसपैठ, कटमनी और सिंडिकेट राज ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ा है और 2026 में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनेगी। यह चुनाव भयमुक्ति, रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, विकास और बुनियादी सुविधाओं के लिए है। गृह मंत्री ने वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर किया जाएगा और सीमाओं की सुरक्षा मजबूत होगी।

दरियादिली नहीं मेहनत से मिली है तरक्की

● चीन ने अमेरिका को सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के साथ युद्ध में उलझे अमेरिका पर बिना नाम लिए चीन ने तीखा तीर छोड़ा है। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने साफ कहा है कि भारत-चीन की आर्थिक तरक्की किसी बाहरी ताकत की दरियादिली का नतीजा नहीं, बल्कि अपने लोगों की कड़ी

मेहनत और समझदारी का परिणाम है। उन्होंने उन दावों को सिरे से खारिज किया, जिनमें चीन की तरक्की को अमेरिकी समर्थन से जोड़कर देखा गया था। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के हालिया बयान के जवाब के तौर पर देखी जा रही है, जिसमें उन्होंने चीन को गलती बताया था।

पाक-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी-ड्रोन से निगरानी

● चीन सीमा पर 3 गुना बढ़ी पेट्रोलिंग,अभेद्य हुई भारत की सरहदें

● **सीमावर्ती इलाकों की मैपिंग,बॉर्डर पर बढ़ाई गई पेट्रोलिंग-** जीपीएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए किया जा रहा है। पीएम गति शक्ति पोर्टल और स्पेस मैपिंग की मदद से संवेदनशील इलाकों की सटीक निगरानी की जा रही है। चीन सीमा पर आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। जिसके बाद संख्या 209 हो गई है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद अपनी सुरक्षा रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। ड्रोन घुसपैठ और सीमा पार की चुनौतियों को देखते हुए भारत अब पाकिस्तान और बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी शुरू कर दी है। वहीं, लद्दाख में चीन बॉर्डर पर 29 नए आउटपोस्ट बनाने के साथ भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। गृह मंत्रालय की ऐन्यूअल रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर असम के धुबरी में 5-5 किमी इलाके में इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं।

सरकार ने 2.38 लाख करोड़ के रक्षा प्रस्ताव किए मंजूर

● एयरफोर्स को एस-400 मिसाइल डिफेंस और आर्मी को धनुष गन सिस्टम मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में करीब 2.38 लाख करोड़ रुपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस प्रस्ताव में आर्मी, एयरफोर्स और कोस्ट गार्ड के लिए कई अहम सिस्टम और प्लेटफॉर्म शामिल हैं। सेना के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद, हाई कैपेसिटी रेडियो रिले, धनुष गन सिस्टम और रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम को मंजूरी मिली।

वित्त वर्ष 2025-26 में सीईसी

अब तक 55 प्रस्ताव मंजूर कर चुका है, जिनकी कुल लागत 6.73 लाख करोड़ रुपए है। इसी दौरान 503 डिफेंस डील साइन हुईं, जिनकी कीमत 2.28 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के मुताबिक यह किसी एक वित्त वर्ष में अब तक का सबसे बड़ा रक्षा खरीद और मंजूरी का आंकड़ा है।

एयरफोर्स को ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट मिलेंगे

भारतीय वायुसेना के लिए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट,एस-400 मिसाइल सिस्टम, रिमोटली पायलटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट और एम-30 इंजन ओवरहाल को मंजूरी मिली। नए ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ई-32 और एम-76 की जगह लेंगे। एस-400 सिस्टम लंबी दूरी के हवाई खतरों से सुरक्षा देगा। ड्रोन स्ट्राइक एयरक्राफ्ट से ऑपरेशनल और सर्विलांस क्षमता बढ़ेगी। एम-30 इंजन अपग्रेड से विमानों की लाइफ बढ़ेगी। इंडियन कोस्ट गार्ड के लिए हेवी ड्यूटी एयर कुशन व्हीकल्स (होवरक्राफ्ट) को मंजूरी मिली। इनका उपयोग तटीय गश्त, सर्च एंड रेस्क्यू और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट में होगा। होवरक्राफ्ट ऐसा वाहन है जो जमीन, पानी, कीचड़ और बर्फ हर सतह पर चल सकता है। यह नीचे हवा का दबाव (एयर कुशन) बनाकर सतह से थोड़ा ऊपर उठता है, इसलिए घर्षण कम होता है। इसमें लगे शक्तिशाली फैन नीचे हवा भरकर कुशन बनाते हैं, जिससे वाहन सतह से ऊपर उठता है। इसके बाद प्रोपेलर या इंजन इसे आगे बढ़ाते हैं। एस-400 वही डिफेंस सिस्टम है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था। एस-400 ट्रायम्फ रूस का सबसे एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसे 2007 में लॉन्च किया गया था। ये सिस्टम फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों तक को मार गिरा सकता है। ये हवा में कई तरह के खतरों से बचाव के लिए एक मजबूत ढाल की तरह काम करता है। दुनिया के बेहद आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में इसकी गिनती होती है।

● ईरान ने अमेरिकी जहाज पर फिर बोला हमला

सेना का था मददगार, मिडिल ईस्ट में और बढ़ गया है तनाव

तेहरान (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान की सेना ने एक बार फिर से अमेरिकी जहाज को निशाना बनाया है। यह जहाज अमेरिकी सेना को लॉजिस्टिक मुहैया करवाने में मदद करता था। ईरानी सेना ने शनिवार कहा कि उसने ओमान के सलालाह बंदरगाह के पास एक अमेरिकी लॉजिस्टिक्स जहाज पर हमला किया। ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने सरकारी टीवी पर जारी एक बयान में कहा, आक्रामक अमेरिकी सेना को सहायता पहुंचाने वाले एक लॉजिस्टिक्स जहाज को, ओमान के सलालाह बंदरगाह से काफी दूरी पर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सशस्त्र सेनाओं द्वारा निशाना बनाया गया।

अभियान बहुत अच्छी स्थिति में: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी सैन्य अभियान बेहतरीन ढंग से आगे बढ़ रहा है लेकिन इसी दौरान ईरान ने सऊदी अरब स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें 12 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गयी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर कहा, ईरान में हमारा सैन्य अभियान बहुत अच्छा चल रहा है,हालांकि उन्होंने इस पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

दो और जहाजों ने पार किया संकट वाला रास्ता

● होर्मुज स्ट्रेट पर भारत को फिर से मिली बड़ी विजय ● स्टैंडबाय मोड पर तैनात रहे इंडियन नेवी के युद्धपोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आने के लिए दो और व्यापारिक जहाज ईरान के युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत आ रहे हैं। भारत आ रहे इन जहाजों पर पेट्रोलियम पदार्थ लदा हुआ है। भारत आ रहे दोनों जहाजों को कवर देने के लिए भारतीय नेवी के युद्धपोतों को स्टैंडबाय मोड में तैनात रखा गया है। उम्मीद है इन जहाजों के होर्मुज से गुजरने के बाद कुछ और जहाजों को भी इसी तरह से निकलने का रास्ता मिल सकता है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि भारत के लिए पेट्रोलियम उत्पाद ले जा रहे दो और व्यापारिक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से निकल चुके हैं। उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत तैयार स्थिति में हैं। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही और जहाजों के भी उनके पीछे आने की उम्मीद है।

एलपीजी लेकर आ रहे पांच जहाज

शिप ट्रैकर वेबसाइटों के अनुसार भारतीय झंडे वाले पांच एलपीजी कैरियल भारत आ रहे हैं। ये जहाज दुबई-रास अल खैमाह के उत्तर में होर्मुज स्ट्रेट के ठीक दक्षिण-पश्चिम में लंगर डाले खड़े हैं। ये जहाज एक साथ जमा हो रहे हैं, ताकि वे होर्मुज से बाहर निकल सकें। इन जहाजों पर 1.7 लाख टन से ज्यादा एलपीजी लदी हुई है। शुक्रवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे तीन जहाजों को वापस भेज दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह रास्ता उन जहाजों के लिए बंद है जो उनके दुश्मनों से जुड़े बंदरगाहों से आ-जा रहे हैं।

ईरान ने 26 जहाजों को गुजरने की दी मंजूरी

गार्ड्स ने सेपाह न्यूज वेबसाइट पर कहा, आज सुबह अमेरिका के भ्रष्ट राष्ट्रपति के इस झूठे दावे के बाद कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है, अलग-अलग देशों के तीन कंटेनर जहाजों को.. नौसेना की चेतावनी के बाद वापस भेज दिया गया। हाल ही में ईरान ने कुल 26 जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की मंजूरी दी है। ये जहाज देश के तट के पास स्थित लारक द्वीप के चारों ओर बने एक रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। इनमें से ज्यादातर जहाजों का मालिकाना हक यूनान और चीन के पास था, जबकि कुछ जहाज भारत, पाकिस्तान और सीरिया के भी थे।

संक्षिप्त समाचार

अनंत सिंह ने पसंदीदे घोड़े की थामी लगाम

पटना। मोकामा से जदयू विधायक और बाहुबली नेता अनंत सिंह पटना वाले अवास के बाहर अपने पसंदीदा काले रंग के घोड़े की लगाम थामे दिखे। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि अनंत सिंह घोड़े की लगाम थामे कह रहे हैं- चल तो, घोड़ा चलने लगता है। फिर कहते हैं आगे बढ़ तो, घोड़ा आगे बढ़ने लगाता है। वीडियो में दिख रहा है कि अनंत सिंह व्हाइट शर्ट, लोअर और काले रंग का चश्मा पहने हैं और घोड़े को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं। वीडियो में अनंत सिंह के साथ उनके समर्थक भी दिख रहे हैं, जो वीडियो बना रहे हैं। अनंत सिंह के शौक भी किसी राजा-महाराजा से कम नहीं थे। कभी उनके पास 100 घोड़े हुआ करते थे। इतना ही नहीं उन्होंने घर में अजगर और हाथी तक पाल रखे थे। साल 2007 की बात है। सोनपुर मेले में लालू यादव का घोड़ा बिक्री के लिए आया था। अनंत सिंह को घोड़े रखने का बेहद शौक था और वे इस घोड़े को खरीदना चाहते थे। हालांकि, उन्हें पता था कि लालू यादव उन्हें सीधे यह घोड़ा नहीं बेचेंगे। ऐसे में उन्होंने एक किसान को घोड़ा खरीदने के लिए भेजा और आखिरकार वह घोड़ा खरीद लिया गया। इसके बाद अनंत सिंह उसी घोड़े के साथ सोनपुर मेले में घूमते नजर आए। जब अनंत सिंह विधायक बने तो उनका अंदाज और भी अलग हो गया। वे घोड़ा-बग्घी पर सवार होकर विधानसभा पहुंचते थे। यह बग्घी भी आम नहीं थी। इसमें लाइटें और म्यूजिक सिस्टम लगे होते थे और इसे लाल रंग के खूबसूरत कपड़ों से सजाया जाता था।

पापा मेरी जान...गाने पर तेजप्रताप की भतीजे संग रील

पटना। पार्टी-परिवार से बेदखल राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का एक इमोशनल वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में तेज प्रताप यादव अपने भतीजे और तेजस्वी के बेटे इराज के साथ खेलते हुए नजर आ रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने यह वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है। वीडियो में चाचा-भतीजे की बॉन्डिंग साफ देखी जा सकती है। तेज प्रताप इराज के साथ मस्ती करते दिख रहे हैं। 2 मिनट 17 सेकेंड के इस वीडियो के बैकग्राउंड में पापा मेरी जान जैसे इमोशनल गाने बज रहे हैं। तेजप्रताप के इस पोस्ट के बाद अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव ने अपनी भांजी उज्जैनी का कन्या पूजन करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो के बैकग्राउंड में देवी दुर्गा की आरती बज रही है। तेज प्रताप ने वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म 'एनिमल' का चर्चित गाना 'पापा मेरी जान' और फिल्म 'सूर्यवंशम' के इमोशनल गानों का लगाया है। इन गानों के जरिए उन्होंने पिता-पुत्र और परिवार के अटूट रिश्तों की भावनाओं को दिखाने की कोशिश किया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स इसे 'पारिवारिक एकजुटता' का संदेश मान रहे हैं। तेजप्रताप ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- बेटा पापा का गर्व होता है, और पापा बेटे की सबसे बड़ी ताकत। तेजप्रताप ने अपने पोस्ट में तेजस्वी को भी टैग किया है।

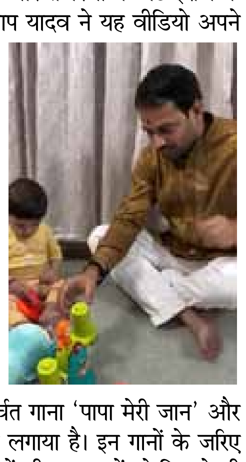

वैशाली के मजदूर की मुंबई में मौत, सड़क पार करते समय वाहन ने मारी टक्कर, 6 साल पहले हुई थी शादी

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दाउदनगर वार्ड संख्या 7 से एक मजदूर की मुंबई मे हुई मौत। मुंबई में सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान विनोद शाह के 29 वर्षीय पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक के पिता विनोद शाह ने बताया कि उनके पुत्र विकास कुमार से आखिरी बार 26 मार्च को सुबह 9 बजे बात हुई थी। इसके बाद 27 मार्च की सुबह जब उन्होंने पुत्र को फोन लगाया तो एक अजनबी ने फोन उठाया। पिता द्वारा परिचय मांगने पर उस व्यक्ति ने जानकारी देने से इनकार कर दिया और परिजनों का कोई स्थानीय संपर्क नंबर मांगा। इस पर विनोद शाह ने अपने छोटे पुत्र विपिन कुमार के साले अमित कुमार का नंबर दे दिया। अमित कुमार जब उस व्यक्ति के बताए स्थान पर पहुंचे तो पता चला कि विकास कुमार को पहले ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। अस्पताल पहुंचने पर अमित ने देखा कि विकास ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी, जिसके बाद राहगीरों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। दाउदनगर के उपमुखिया गुड्डू कुमार ने बताया कि विकास कुमार दो भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी शादी को छह वर्ष हो चुके थे और वह चार वर्ष तथा मात्र तीन माह के दो छोटे-छोटे बच्चों का पिता था। घटना के बाद पत्नी की हालत रो -रो कर बेहद खराब है और वह लगातार रो रही है। वही परिजन ने बताया की मृतक विकाश कुमार का 27 को मृत्यु हुई है ओर आज उनका शव घर शाम तक आ रही है।

वैशाली स्कूल में 180 स्टूडेंट, मिले सिर्फ 17, 12 टीचर मौजूद

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर स्थित उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मौदह चतुर में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। उप मुखिया प्रतिनिधि सह अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने इस विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रों की बेहद कम उपस्थिति पाई। कक्षा 9 और 11 में कुल 180 छात्र नामांकित हैं, लेकिन निरीक्षण के समय केवल 17 छात्र ही उपस्थित मिले। विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक और 12 शिक्षक पदस्थापित हैं। राजीव कुमार सिंह ने निरीक्षण की वीडियो रिकॉर्डिंग जिला पदाधिकारी को भेजी। वीडियो प्राप्त होने के बाद, जिला पदाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिक्षक/शिक्षिकाओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में एक पत्र भी जारी किया गया है। छात्रों की इतनी कम उपस्थिति यह दर्शाती है कि विद्यालय का शैक्षणिक और प्रशासनिक माहौल संतोषजनक नहीं है। यह स्थिति शिक्षकों और प्रधानाध्यापक द्वारा छात्रों को विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अपेक्षित रुचि न लेने की ओर इशारा करती है। यह सरकारी संसाधनों के संभावित दुरुपयोग और कर्तव्यों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है।

वैशाली में गंगा में डूबी 2 युवतियां लापता, रेस्क्यू जारी

हाजीपुर। वैशाली में गंगा नदी में डूबने से लापता हुईं दो युवतियों के शव दूसरे दिन भी बरामद नहीं हो सके हैं। एसडीआरएफ की टीम लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है। यह घटना चैत्र नवरात्र के दौरान गंगा स्नान के समय हुई थी। घटना देसरी थाना क्षेत्र के गनियारी में 27 मार्च की सुबह करीब 7 बजे हुई। 6-7 महिलाएं और युवतियां गंगा नदी में स्नान कर रही थीं, तभी वे डूबने लगीं। स्थानीय लोगों की तत्परता से कई महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन इस घटना में एक युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान नयागांव बरियारपुर गांव निवासी रिट्ठु राय की 18 वर्षीय बेटी सीमा कुमारी के रूप में हुई है। रिट्ठु राय की दूसरी बेटी सोनी कुमारी और उपेंद्र राय की बेटी आंचल अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। लापता सोनी कुमारी के पति रौशन कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी चार दिन पहले मायके आई थीं। परिवार के मना करने के बावजूद वह सुबह गंगा घाट पर स्नान करने चली गई थीं। सोनी कुमारी चार महीने की गर्भवती थीं और उनका एक डेढ़ साल का बच्चा भी है। रौशन कुमार ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी ने उनसे कहा था कि वह अगले दिन वापस आएंगी और उन्हें लेने आने को कहा था। इस बीच, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने लापता दोनों युवतियों सोनी और आंचल कुमारी के आश्रित परिवारों को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की है। एसडीआरएफ के एसआई शिवशंकर साह ने बताया कि शव ढूंढने में दिक्कतें आ रही हैं। गंगा नदी में कटाव के कारण कई मकानों और पेड़-पौधों के बड़े-बड़े मलबे हैं, जिनमें शव फंस सकते हैं। इसके बावजूद शवों की खोज जारी है।

25 किलो स्मैक हथियार सहित नगदी बरामद, दो गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

♦ नशे के खिलाफ बड़ा एक्शन, संगठित गिरोह से जुड़े होने की आशंका

पटना पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खेमनी चक इलाके से भारी मात्रा में मादक पदार्थ, हथियार और नगदी बरामद की है। आलमगंज और रामकृष्ण नगर थाना पुलिस के संयुक्त अभियान में लगभग 25 किलो स्मैक जब्त किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। इस दौरान दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का मानना है कि यह नेटवर्क केवल नशे के कारोबार तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके तार आपराधिक गतिविधियों से भी जुड़े हो सकते हैं।

25 किलो स्मैक के साथ हथियार भी बरामदः पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गुप्त सूचना मिली थी कि खेमनी चक में एक किराए के कमरे में अवैध रूप से ड्रग्स का भंडारण किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान कमरे से करीब 25 किलो स्मैक बरामद हुआ। मादक पदार्थ के अलावा, मौके से एक पिस्तौल, एक देसी कट्टा, कई कारतूस और नगद रुपये भी जब्त किए गए हैं।

दो गिरफ्तार, संगठित गिरोह से जुड़े होने की आशंकाः इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे गहन पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह एक संगठित गिरोह का हिस्सा प्रतीत होता है, जो लंबे समय से इस अवैध धंधे में संलिप्त था। पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

बिहार में नशे के अभियान लगातार जारीः शराबबंदी लागू होने के बाद राज्य में नशे के अन्य रूपों के खिलाफ पुलिस लगातार सख्त अभियान चला रही है। इस कार्रवाई को उसी कड़ी में एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें अपने आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। अधिकारियों ने बताया कि नशे के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

'नीतीश के जाने का बीजेपी को ज्यादा नुकसान होगा'

एजेंसी, पटना

❑ आनंद मोहन बोले- सम्राट सीएम के लिए बेहतर ऑप्शन

बिहार में नई सरकार को लेकर बयानबाजी जारी है। अब बाहुबली आनंद मोहन ने ने नीतीश के राज्यसभा जाने के फैसले पर ऐतराज जताया है। इधर, इन सबके बीच नीतीश कुमार लगातार एक्टिव हैं। मुख्यमंत्री ने गौरव पार्क के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। दिनेश लाल यादव ऊर्फ निरहुआ ने खेसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राजनीति ईमानदार लोगों के लिए है, नॉनसेंस लोगों के लिए नहीं है। जानिए बिहार की पॉलिटिकल खबरों का अपडेट्स..

आनंद मोहन बोले- नीतीश के जाने का BJP को ज्यादा नुकसानः राज्यसभा के लिए चुने गए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 30 मार्च तक इस्तीफा देंगे। यह संवैधानिक प्रक्रिया या बाध्यता भी है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार विधानपरिषद से इस्तीफा देंगे। इसके साथ ही नई सरकार के गठन को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। इन सबके बीच पूर्व सांसद और बाहुबली आनंद मोहन ने नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले पर ऐतराज जताया है। पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, फैसला चाहे नीतीश कुमार का ही क्यों ना हो, बिहार के लाखों लोग इस फैसले से आहत हैं और असहमत हैं। इससे जदयू को नुकसान तो होगा ही, लेकिन उससे ज्यादा नुकसान बीजेपी को होगा। पूर्व सांसद ने निशांत को फुल फ्लेज्ड पावर देने की वकालत करते हुए कहा, फैसले से लोगों में गुस्सा है। लव-कुश का समीकरण बिगड़ा है और इसका फायदा विपक्ष को होगा।

अज्ञात युवक का शव मिला, आलमगंज के भद्राघाट इलाके में मची सनसनी

♦ नशे से मौत की आशंका; पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र में शनिवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। यह मामला भद्रघाट स्थित रमना स्कूल भद्रघाट के पास का है, जहां युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही आलमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत नशे के कारण हुई है।

नशे से मौत की आशंका, जांच जारीः सुबह स्थानीय लोगों की नजर युवक पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवक को पहले कभी इस इलाके में नहीं देखा गया था, जिससे उसके बाहरी होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं कुछ लोग इसे आपराधिक घटना से भी जोड़कर देख रहे हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजारः प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत नशे के कारण हो सकती है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पहचान की कोशिश तेज, CCTV खंगाल रही पुलिसः आलमगंज थाना प्रभारी ने बताया कि युवक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। इसके लिए आसपास के थानों को सूचना भेजी गई है, ताकि गुमशुदगी के मामलों से मिलान किया जा सके। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

आंधी-बारिश से सहरसा में भरा पानी, किशनगंज में घने बादल, पूरे बिहार में बारिश का अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में शुक्रवार से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आधी रात पटना समेत 5 जिलों में आंधी-बारिश से मौसम खराब हो गया। शनिवार सुबह भी पटना के कुछ इलाकों में बारिश हुई। किशनगंज में घने काले बादल हैं। इधर, मौसम विभाग ने आज 38 जिलों में आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 12 जिलों में ऑरेंज तो 26 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलं में 60 KM/H की रफ्तार से हवा चलेगी। गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली और ओला गिरने की आशंका है। वहीं, बाकी 26 जिलों में आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। तेज हवा चल सकती है।

पटना में आधी रात आंधी-बारिशः शुक्रवार रात 11 बजे पटना और गयाजी में आंधी के साथ बारिश हुई है। तेज हवा की वजह से दुकानों के होर्डिंग्स उड़ गए और दर्जनों मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। रामनवमी की शोभा यात्रा के लिए बनाए गेट टूट कर गिर गए। पटना के डाकबंगला चौराहे पर LED लाइट तेज हवा से गिर गई। उस वक्त भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सामने मुख्य मंच पर मौजूद थे। मुख्य मंच उनसे 200 मीटर की दूरी पर था। डाकबंगला चौराहे पर आंधी-बारिश के बीच पोस्टर ओढ़कर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने झाकियों को सम्मानित किया।

सुपौल में ओले गिरने से फसलों को नुकसान

सहरसा में मोहल्लों में भरा पानी, किशनगंज-सुपौल में गिरे ओलेः नालंदा में आंधी से मॉडल अस्पताल कैंपस में आग लग गई। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। भागलपुर, खगड़िया, लखीसराय, गयाजी और किशनगंज में भी देर रात तेज हवा के साथ बारिश हुई। किशनगंज और सुपौल में ओले गिरने से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। इधर, सहरसा में शुक्रवार हुई तेज बारिश से कई मोहल्लों में पानी भर गया है। लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है।

कांग्रेस 2-3 अप्रैल को करेगी विरोध प्रदर्शन

प्रदेश अध्यक्ष बोले- जब तक एलपीजी और आवश्यक वस्तुओं की किल्लत खत्म नहीं होगी, संघर्ष करेंगे

एजेंसी, पटना

रसोई गैस की किल्लत, पेट्रोल-डीजल और बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस राज्य में विरोध करेगी। 2 अप्रैल को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम के निर्देश पर इस बढ़ोतरी के खिलाफ सभी प्रखंड मुख्यालयों में आंदोलन चलाया जाएगा। 2 अप्रैल को सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा। इसके बाद 3 अप्रैल को राज्य मुख्यालय पर व्यापक प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में होना है। राजेश राम ने कहा कि जब तक आम जनता को LPG, महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की किल्लत से राहत नहीं मिलेगी, तब तक पार्टी जनता की आवाज बनकर संघर्ष करती रहेगी।

पार्टी जनता की आवाज बनकर संघर्ष करती रहेगीः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सभी जिला प्रभारियों, जिला अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों तथा प्रदेश पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठित कर बड़ी संख्या में भागीदारी निभाएं।

आम जनता महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की किल्लत से त्रस्त हैः प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि आम जनता महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की किल्लत से त्रस्त है। रसोई गैस की उपलब्धता में भारी कमी और पेट्रोल-डीजल व बिजली की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है, लेकिन केंद्र सरकार इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। इसी को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेगी।

पटना एम्स में पीजी छात्र ने किया सुसाइड अटेम्प्ट

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना स्थित पटना एम्स में पीजी प्रथम वर्ष के एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में नशीली दवा का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। छात्र की पहचान पश्चिम बंगाल के मुकुंदपुर निवासी डॉ. विश्वास कुमार के रूप में हुई है। फिलहाल, डॉ. विश्वास की स्थिति गंभीर बनी हुई है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार उनका इलाज कर रही है।

घटना शुक्रवार की है। सुबह ड्यूटी पर नहीं पहुंचने पर सहपाठियों को शक हुआ। जब वे छात्रावास के कमरा नंबर 13 पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। खिड़की से देखने पर डॉ. विश्वास बिस्तर पर अचेत पड़े थे। साथियों ने खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया और तुरंत उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया।

घटना की सूचना मिलने पर फुलवारी शरीफ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि कमरे की तलाशी के दौरान अंग्रेजी में लिखा एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है-'कृपया मुझे जिंदा करने की कोशिश न करें, मुझे शांति से मरने दें।' पुलिस ने कमरे को सील कर दिया है और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। यह भी जांच की जा रही है कि छात्र किसी मानसिक तनाव में था या नहीं। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

बिहटा में 2 चोरों को किया गिरफ्तार, दुकान से 72 मोबाइल की चोरी हुई थी

एजेंसी, पटना

❑ 7 हुए बरामद, अन्य को पुलिस तलाश रही

पटना के बिहटा में वर्ल्ड मोबाइल दुकान में चोरी हुई थी। मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी के 7 मोबाइल बरामद किए गए हैं। चोरी 1 मार्च को हुई थी। जिसमें कुल 72 मोबाइल और अन्य सामान चुराए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फुलवारी शरीफ निवासी आफताब आलम और गया निवासी मो. साबिर आलम के रूप में हुई है। आफताब के पास से 6 और साबिर के पास से एक चोरी का मोबाइल फोन मिला है। घटना कन्हौली बाजार की है।

जिसे मोबाइल बेटा उसे भी गिरफ्तार कियाः पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी टीम और दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरों की पहचान की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आफताब आलम की पहचान हुई। आफताब आलम से पूछताछ के बाद पता चला कि उसने एक चोरी का मोबाइल फोन गया के मो. साबिर आलम को बेचा था। इसके बाद पुलिस ने साबिर आलम को भी गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल, दोनों गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस इस मामले में शामिल अन्य चोरों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

डाकबंगला चौराहा-बेली रोड-फ्रेजर रोड में होर्डिंग लगाना सबसे महंगा, रजिस्ट्रेशन के लिए 1.5 लाख

एजेंसी, पटना

❑ रिनुअल के लिए 60 हजार लगेगा, गोलंबर-क्रॉसिंग का किराया ज्यादा

पटना में कहीं भी होर्डिंग या विज्ञापन लगाने के लिए जोन के हिसाब से तय दरों पर शुल्क देना होगा। पटना नगर निगम ने आउटडोर विज्ञापन व्यवस्था के लिए नई विज्ञापन नियमावली लागू कर दी है। नई पॉलिसी के तहत पटना को चार जोन में बांटा गया है। सबसे व्यस्त और व्यावसायिक इलाकों में विज्ञापन दरें सबसे ज्यादा रखी गई हैं। पटना में सबसे महंगी दरें डाकबंगला चौराहा, बेली रोड, फ्रेजर रोड, गांधी मैदान और बोरिंग रोड का है। इन जगहों पर प्रति वर्ग फुट 90 से लेकर 150 रुपये तक लगेगा।

रजिस्ट्रेशन के लिए 1.5 लाख, रिनुअल के लिए 60 हजार शुल्कः पटना नगर निगम ने एजेंसियों के लिए लाइसेंस, सिक्योरिटी डिपॉजिट और समय पर शुल्क भुगतान की शर्तें तय की हैं। इसके साथ ही, बिना अनुमति विज्ञापन लगाने या नियम तोड़ने पर भारी जुर्माना लगेगा। वहीं, बार-बार नियम तोड़ने पर एजेंसी ब्लैकलिस्ट होगी। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस कोई भी एजेंसी शहर में विज्ञापन नहीं लगा सकेगी। रजिस्ट्रेशन के लिए 1.5 लाख और रिनुअल के लिए 60 हजार रुपये शुल्क लगेगा। सभी होर्डिंग, यूनिपोल या डिजिटल बोर्ड के लिए अलग अनुमति लेनी होगी। संरचना की सुरक्षा, साफ-सफाई और तकनीकी मानकों का पालन करना एजेंसी की जिम्मेदारी होगी।

चार जोन में बांटा गया पटना शहरः नई पॉलिसी के तहत पटना को चार जोन में बांटा गया है। इसमें जोन ए में प्रिंसिपल रोड, जोन बी में रेसिडेंशियल प्लस और कॉमर्शियल रोड, जोन सी में अन्य एरिया और जोन डी में गोलंबर व सर्किल, इंटरसेक्शन व क्रॉसिंग शामिल है। यह जोन निर्धारण ट्रैफिक और भीड़भाड़ का स्तर, व्यावसायिक महत्व और लोकेशन वैल्यू, सड़क की चौड़ाई और विजिबिलिटी, प्रमुख संस्थान व चौराहों की मौजूदगी और विज्ञापन के प्रभाव की संभावना की बिंदुओं को लेकर हुआ है। प्रीमियम जोन में पटना के सबसे प्राइम लोकेशन पर व्यस्त, हाइट्रैफिक व व्यावसायिक इलाके शामिल किए गए हैं। गोलंबर, सर्किल, इंटर सेक्शन और क्रॉसिंग को जोन डी में रखा गया है, लेकिन शुल्क जोन A का दोगुना लगेगा। शहर के 14 गोलंबर व सर्किल और 11 इंटर सेक्शन व क्रॉसिंग को चिह्नित किया गया है। वहीं, मीडियम जोन में वे इलाके शामिल हैं, जहां प्राइम लोकेशन व रोड हो। यह जोन A है। इसमें कुल 31 लोकेशन को चिह्नित किया गया है।

सो गए, दास्तां कहते-कहते...

उस शाम मोतिहारी कुछ ज्यादा ही खामोश था। जैसे शहर ने अपने किसी बेहद अपने को खो दिया हो। साधु शरण सिंह अब नहीं रहे, लेकिन उनकी यादें हर दिल में जिंदा हैं। उनकी पहचान सिर्फ एक वकील के रूप में नहीं थी, बल्कि एक ऐसे इंसान के रूप में थी जो हर किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना जानते थे। अदालत की गंभीर बहसों के बीच भी उनका सहज स्वभाव और हँसमुख अंदाज उन्हें सबसे अलग बनाता था।

अमीर-गरीब, छोटे-बड़े का फर्क उन्होंने कभी नहीं किया—हर किसी से एक जैसा अपनापन रखा। शुक्रवार की शाम उनके राजा बाजार स्थित आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली और यह खबर पूरे शहर में फैल गई। देखते ही देखते लोग डुमरिया घाट की ओर उमड़ पड़े। हर कोई बस एक आखिरी बार उन्हें देखना चाहता था। अंतिम संस्कार के समय जब उनके पुत्र सागर सूरज ने मुखाग्नि दी, तो माहौल पूरी तरह गमगीन हो उठा। सैकड़ों की संख्या में मौजूद वकील, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और आम लोगों की आँखें नम थीं।

लोगों के बीच वे सिर्फ कानून के जानकार नहीं, बल्कि समाज के एक मजबूत स्तंभ थे। कोर्ट से लेकर गाँव की चौपाल तक, उनकी मौजूदगी एक अभिभावक की तरह होती थी। गांधी संग्रहालय से लेकर सिविल कोर्ट तक, हर जगह उनके किस्से गूंजते रहे। करीब 85 वर्ष की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन जाते-जाते भी एक सीख दे गए—जिंदगी चाहे जैसी हो, मुस्कुराते रहना चाहिए। आज मोतिहारी रो रहा है, पर उनकी यादों में एक हल्की मुस्कान भी है।

क्योंकि वो ऐसे इंसान थे...

जो खुद हँसते-हँसते दुनिया से रुखसत हो गए... और सबको रुला गए।

वो सच में सो गए... दास्तां कहते-कहते...।

-त्रिभुवन

चंपारण एक्सपो 2026 के तृतीय दिवस के प्रथम सत्र का भव्य उद्घाटन संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के टाउन हॉल मैदान में आयोजित चंपारण एक्सपो 2026 के तृतीय दिवस के प्रथम सत्र का भव्य उद्घाटन आज दोपहर 2 बजे गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने एक्सपो स्थल का अवलोकन किया और आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने हेतु प्रेरित किया। साथ ही, वीरगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने भी एक्सपो का भ्रमण कर इसकी प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष महेश सिन्हा, महासचिव आलोक कुमार, कार्यक्रम संयोजक डॉ. विवेक गौरव, नॉर्थ बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के श्याम भीमसरिया एवं सज्जन शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। यह एक्सपो मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं नॉर्थ बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में 26 मार्च से 30 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। इसमें विभिन्न उद्योगों, स्टार्टअप्स एवं स्थानीय उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीरेंद्र जालान, सुधीर अग्रवाल, सुरेश चंद्र, राजीव विजडम, संजय जायसवाल, रवि कृष्ण लोहिया, अनुपम जायसवाल, सुधांशु रंजन, डॉ. विवेक गौरव, अनिल अग्रवाल, अनिल बोहरा सहित चैंबर ऑफ कॉमर्स के अन्य पदाधिकारी, शहरवासी एवं बड़ी संख्या में व्यवसायी उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन महासचिव आलोक कुमार द्वारा किया गया।

71वीं वाहिनी एस.एस.बी. ने 58 बोरी उर्वरक किया जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। आसूचना विभाग से प्राप्त सूचना के आधार पर 71वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। सूचना के अनुसार कुछ लोग परसा गांव से सतगंज (नेपाल) की ओर साइकिलों के माध्यम से उर्वरक की तस्करी कर रहे थे। इस सूचना पर तत्परता दिखाते हुए बीओपी महुआवा से एक विशेष गश्ती दल को मौके पर रवाना किया गया। परसा गांव के समीप पहुंचने पर गश्ती दल ने एक संदिग्ध व्यक्ति को साइकिल पर देखा, जो दल को देखते ही सतगंज (नेपाल) की ओर भाग निकला। संदेह के आधार पर गश्ती दल द्वारा आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान पास के 2-3 स्थानों से कुल 58 बोरी यूरिया उर्वरक (प्रत्येक 45 किलोग्राम) बरामद किया गया, जिन्हें तस्करों द्वारा फेंक दिया गया था। घटना की जानकारी तुरंत कंपनी कमांडर को दी गई। मौके पर पहुंचकर कंपनी कमांडर ने सभी बरामद उर्वरकों को विधिवत जब्त किया। आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु जब्त उर्वरक को महुआवा थाना को सौंप दिया गया है। एस.एस.बी. द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करी रोकने हेतु लगातार सख्त निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने 174 लीटर प्रतिबंधित शराब के साथ एक तस्कर को पकड़ा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को आसूचना के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति नेपाल से अवैध सामान लेकर भारत की ओर आ रहे हैं। प्राप्त सूचना के आधार पर तत्काल समवाय प्रभारी द्वारा पुलिस थाना जितना को सूचित कर संयुक्त नाका लगवाया गया। समवाय मुख्यालय बरहरवा के अंतर्गत बरेला गांव के समीप नेपाल की ओर से कुछ व्यक्ति सिर पर सामान लेकर आते हुए दिखाई दिए। जब संयुक्त दल द्वारा उन्हें रुकने का संकेत दिया गया, तो वे अपना सामान छोड़कर वापस नेपाल की ओर भागने लगे। संयुक्त नाका दल द्वारा पीछा करने पर एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया, जबकि अन्य अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम सुधांशु शर्मा, पिता राम रतन शर्मा, निवासी ग्राम बेला जीतपुर, पोस्ट चनरी, थाना जितना, जिला पूर्वी चंपारण (बिहार) बताया। मौके पर छोड़े गए सामान की तलाशी लेने पर जूट के 06 बोरे में कुल 580 बोतल (प्रत्येक 300 मि.ली.) कस्तूरी (निम्बू फ्रेश) ब्रांड की शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 174 लीटर है। बरामद शराब एवं पकड़े गए तस्कर को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु पुलिस थाना जितना के सुपुर्द कर दिया गया है।

तीन चोरी की बाइक बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार, एक बालक निरुद्ध

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। इस दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। महुआवा थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान कटकिनमा चौक सैनिक रोड से एक चोरी की बाइक के साथ नेपाल निवासी एक विधि-विरुद्ध बालक को पकड़ा गया। बरामद बाइक रघुनाथपुर थाना में दर्ज एक पूर्व कांड से जुड़ी बताई जा रही है। पुलिस मामले में आगे की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। वहीं मधुबन थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार में दर्ज बाइक चोरी के मामले का उद्भेदन करते हुए पुलिस ने छोटू कुमार उर्फ लीलू दास को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी की बाइक बरामद की गई है। इधर, छौड़ादानो थाना क्षेत्र में जांच के दौरान एक अन्य बाइक के चेसिस नंबर में गड़बड़ी पाई गई। इस मामले में राजू कुमार को गिरफ्तार किया गया है। सभी मामलों में पुलिस द्वारा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

30 मार्च को मोतिहारी में जॉब कैंप, 100 पदों पर होगी भर्ती

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला नियोजनालय परिसर में 30 मार्च को प्रातः 11 बजे एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में डीपीआरओ ने जानकारी देते हुए बताया कि कैंप में निजी कंपनी सिंदूजा माइक्रो क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। कंपनी टीसीओ यानी फील्ड ऑफिसर पद के लिए भर्ती करेगी। इन पदों के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास निर्धारित की गई है, जबकि पुरुष अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 32 वर्ष तय की गई है। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति बिहार के विभिन्न जिलों में की जाएगी। मानदेय 15,311 रुपये सीटीसी रखा गया है। इसके अलावा आवास, भोजन, इंसेंटिव, पीएफ, मेडिकल और ग्रेच्युटी जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। इस जॉब कैंप के माध्यम से कुल 100 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा, मूल प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ निर्धारित समय पर जिला नियोजनालय परिसर में उपस्थित होकर अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न कांडों में चार अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक प्रक्रिया शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग कांडों में कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। सभी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, डुमरियाघाट थाना कांड संख्या-81/26 (हत्या का प्रयास) एवं कांड संख्या-299/25 (मद्य निषेध) में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में अवधेश पटेल (पिता-देवनन्द राउत), निवासी रामपुर खजुरिया तथा राजकुमार महतो (पिता-रामाज्ञा महतो), निवासी पकड़ी, थाना डुमरियाघाट शामिल हैं। वहीं, घोड़ासहन थाना कांड संख्या-68/25 (दहेज अधिनियम) एवं कांड संख्या-28/26 (हत्या का प्रयास) में भी दो नामजद अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें सुभाष कुमार (पिता-स्व. रेग्नी राय), निवासी ननौरा तथा संतोष साह (पिता-स्व. मिश्री साह), निवासी बगही भेलवा, थाना घोड़ासहन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है तथा संबंधित कांडों में आगे की कार्रवाई जारी है।

लंबित कांडों की गई समीक्षा, महिला हेल्प डेस्क को सुदृढ़ करने के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अंचल पुलिस निरीक्षक, केसरिया एवं ढाका के साथ प्रवेक्षी पदाधिकारियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में लंबित कांडों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक पताही, नगर, कल्याणपुर, तुरकौलिया, पिपराकोठी एवं आदापुर थाना क्षेत्रों में आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपस्थित अनुसंधानकर्ताओं को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही अनुसंधान की गुणवत्ता बनाए रखने एवं साक्ष्य संकलन में गंभीरता बरतने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न थानों में संचालित महिला हेल्प डेस्क की भी गहन समीक्षा की गई। जिन थानों में समीक्षा की गई, उनमें डुमरियाघाट, घोड़ासहन, पताही, नगर, तुरकौलिया, कोटवा, आदापुर एवं पिपरा थाना शामिल हैं। पुलिस पदाधिकारियों ने महिला संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पीड़ितों को संवेदनशीलता के साथ समुचित सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला हेल्प डेस्क को और प्रभावी बनाते हुए पीड़ितों का भरोसा कायम रखना प्राथमिकता होनी चाहिए।

शराब की होम डिलीवरी का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार, 160 बोतल जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी। पचपकड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब की होम डिलीवरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम भंडार में छापेमारी की गई, जहां से 160 बोतल नेपाली देसी शराब बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा करीब 48 लीटर बताई जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने शराब की डिलीवरी में प्रयुक्त एक स्कूटी भी जब्त की है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मोहम्मद कमाल मियां, पिता क्यूब मियां, निवासी भटौलिया, थाना बैरगनिया, जिला सीतामढ़ी के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की होम डिलीवरी करता था। इस संबंध में पचपकड़ी थाना में कांड दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

हत्या के प्रयास मामले में तीन आरोपितों पर इश्तिहार तामिल

बीएनएम @ मोतिहारी। अरेराज थाना क्षेत्र के एक मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर तीन नामजद आरोपितों के घर इश्तिहार चस्पा किया है। यह कार्रवाई हत्या के प्रयास से जुड़े कांड में की गई। पुलिस टीम ने जनरेवा गांव पहुंचकर अजीत आलम सहित दो महिला आरोपितों के आवास पर विधिवत इश्तिहार तामिल किया। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने बताया कि न्यायालय के निर्देशानुसार आरोपितों को निर्धारित समय के भीतर उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। इसके बावजूद यदि वे आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई कर रही है।

मिशन अन्नपूर्णा रसोईः 5 वर्षों से जारी निःशुल्क भोजन सेवा, गैस संकट के बीच भी 202वां सप्ताह सफलतापूर्वक सम्पन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। ब्रह्मलीन योगिराज देवरहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद एवं सीता देवी ओंकारनाथ जालान सेवा संस्थान द्वारा संचालित "मिशन अन्नपूर्णा रसोई" के तहत प्रत्येक शनिवार को बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण का कार्य निरंतर जारी है। यह सेवा पिछले 5 वर्षों से नियमित रूप से जरूरतमंदों, यात्रियों, दिहाड़ी मजदूरों, टेंपो एवं रिक्शा चालकों सहित अन्य लोगों को लाभान्वित करती आ रही है।संस्था के आजीवन सहयोगी विनोद जालान ने बताया कि हाल के दिनों में कमर्शियल गैस की कमी के कारण सेवा कार्य को जारी रखने में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं, जिससे संस्था के सदस्य चिंतित हैं कि कहीं यह मानव सेवा कार्य बाधित न हो जाए। इसी बीच 202वें सप्ताह के आयोजन में रसोईया बैद्यनाथ ने लकड़ी के माध्यम से भोजन बनाने की सहमति दी। साथ ही समाजसेवी राजेश लोहिया ने बिना किसी लाभ के अत्यंत उचित मूल्य पर तीन क्विंटल लकड़ी उपलब्ध कराकर सेवा कार्य को जारी रखने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस सहयोग के चलते बापूधाम रेलवे स्टेशन पर 202वें सप्ताह का भोजन वितरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें 400 से अधिक लोगों के बीच चावल एवं आलू-चना-सोयाबीन की सब्जी वितरित की गई। सेवक राम भजन ने बताया कि सेवा कार्य में जुड़े सभी स्वयंसेवकों को आत्मसंतुष्टि प्राप्त हुई और उनके चेहरे पर संतोष एवं खुशी स्पष्ट दिखाई दी। वहीं राजेंद्र जालान ने बताया कि अन्नपूर्णा रसोई का लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है और समय से पहले ही सैकड़ों लोग भोजन हेतु कतार में खड़े हो जाते हैं। उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि यदि कमर्शियल गैस की उपलब्धता नहीं होती है, तो भविष्य में इस सेवा कार्य को जारी रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस सेवा कार्य में रविंद्र कुमार, विक्की कुमार, गुड्डू कुमार, रामचंद्र प्रसाद सहित अन्य सेवक सक्रिय रूप से सहयोग करते नजर आए। संस्था ने समाज के सक्षम वर्ग से अपील की है कि इस पुनीत कार्य को निरंतर जारी रखने के लिए सहयोग प्रदान करें, ताकि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे।

घरेलू गैस के दुरुपयोग पर प्रशासन सख्त, होटलों-रेस्टोरेंटों में छापेमारी

बीएनएम @ सुगौली

सुगौली। घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद शनिवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर सुगौली नगर पंचायत क्षेत्र में होटलों, रेस्टोरेंटों और चाय-नाश्ते की दुकानों में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया।

आपूर्ति निरीक्षक गौरव कुमार के नेतृत्व में स्टेशन रोड, बस स्टैंड चौक, मुख्य बाजार और छपवा चौक स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई। छापेमारी के दौरान बाजार स्थित एक पिज्जा-बर्गर स्टॉल में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करते पाया गया, जिस पर कार्रवाई करते हुए सिलेंडर जब्त कर लिया गया। वहीं छपवा चौक के एक दुकान से तीन घरेलू गैस सिलेंडर बरामद कर जब्त किए गए। छापेमारी की भनक लगते ही अधिकांश होटल और छोटे दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों से घरेलू गैस सिलेंडर हटाने शुरू कर दिए। गौरतलब है कि आम दिनों में क्षेत्र के कई होटलों, ढाबों और नाश्ते की दुकानों में घरेलू गैस का खुलेआम इस्तेमाल किया जाता रहा है। सूत्रों के अनुसार, कुछ लोग घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी में भी संलिप्त हैं। जरूरत के अनुसार इन सिलेंडरों को ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमाखोरी और अवैध आपूर्ति का कारोबार तेजी से फैल रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग अवैध है। इस तरह की गतिविधियों की सूचना मिलने पर आम नागरिक तुरंत नजदीकी थाना या संबंधित विभाग को सूचित करें।

नेपाल बॉर्डर से भारी मात्रा में शराब बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में कुंडवाचैनपुर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल बॉर्डर के समीप ग्राम परसा सैनिक रोड के किनारे से 1156 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 346.8 लीटर बताई गई है। हालांकि मौके से तस्कर फरार हो गए, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं, जितना थाना क्षेत्र में रात्रि गश्ती के दौरान एसएसबी के साथ संयुक्त कार्रवाई में सैनिक रोड बरेला के पास से 580 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की गई। इस दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब की कुल मात्रा 174 लीटर है। कुंडवाचैनपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि नेपाल बॉर्डर के रास्ते शराब की तस्करी पर सख्ती से रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सभी मामलों में अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

अरेराज के भेलानारी विद्यालय में दीक्षांत समारोह आयोजित

» तिथि भोज व सम्मान समारोह में भावुक हुए छात्र-छात्राएं

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी में कक्षा 8 से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर तिथि भोज, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें छात्र-छात्राएं भावुक नजर आए। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी ओम प्रकाश सिंह एवं मनीष सिंह के सौजन्य से सभी बच्चों के लिए तिथि भोज का आयोजन किया गया। बच्चों को बासमती चावल, दाल, सब्जी और पापड़ परोसा गया, जिसे उन्होंने बड़े उत्साह के साथ ग्रहण किया। वहीं, विद्यालय से पास आउट होने वाले विद्यार्थियों को बैग, कॉपी और कलम देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे माहौल उत्सवमय हो गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह को यादगार बनाने के लिए विद्यालय परिवार और ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर समाजसेवियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है और बच्चों का मनोबल ऊंचा होता है। उन्होंने विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए कहा कि यहां आकर उन्हें काफी खुशी हुई। कार्यक्रम में शिक्षक जीवन ज्योति, हितेश कुमार उपाध्याय, रमाशंकर पंडित, प्रदीप कुमार, कुमारी किरण मिश्रा, रूपा कुमारी मिश्रा सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं ग्रामीणों में सत्यदेव सिंह, तारकेश्वर मिश्रा, कौशल किशोर मिश्रा, चंदेश्वर सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावकों की मौजूदगी रही।

संक्षिप्त समाचार

65वीं एसएसबी की सराहनीय पहल, 18 किमी पहाड़ पार कर घायलों को पहुंचाया अस्पताल

बीएनएम @ बगहा। नवरात्रि के अवसर पर सोमेश्वर धाम स्थित कालिका माता मंदिर में आयोजित मेले के दौरान 65वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। 19 मार्च से शुरू होकर 27 मार्च 2026 तक चले इस आयोजन में करीब 87,922 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। मेले के दौरान सुरक्षा के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गोवर्धना, त्रिवेणी सीमा चौकी और सोमेश्वर में तीन पानी केंद्र एवं तीन स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इन शिविरों के माध्यम से 2,282 श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई गई। सबसे उल्लेखनीय कार्य तब सामने आया जब तीन गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं को दुर्गम पहाड़ी रास्ते से करीब 18 किलोमीटर तक स्ट्रेचर के सहारे पैदल लाकर एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया। इसके अलावा एसएसबी जवानों ने पूरे मेले के दौरान लगातार पेट्रोलिंग, भीड़ नियंत्रण और निगरानी कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। सहायता केंद्र के जरिए श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन दिया गया, वहीं छह गुमशुदा लोगों को खोजकर उनके परिजनों से मिलाया गया। एसएसबी की इस पहल ने सुरक्षा के साथ मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का भी परिचय दिया है।

पिकअप-बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत, एक गंभीर घायल

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के सुगौली-रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिकरहना नदी के समीप शनिवार देर शाम भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के चनपटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गिद्धा गांव निवासी रवि तिवारी एवं रंजीत तिवारी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि तेज रफ्तार पिकअप वाहन और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई, जिससे हादसा बेहद भयावह हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायल युवक को तत्काल स्थानीय सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

विदेशों में फंसे बिहार के श्रमिकों के लिए बने राज्य-वार डेटा और सुरक्षा तंत्र

सांसद अजय मंडल की मांग

बीएनएम @ भागलपुर। भागलपुर के सांसद अजय कुमार मंडल ने लोकसभा में प्रश्न संख्या 4802 के माध्यम से विदेशों में भारतीय नागरिकों, विशेषकर बिहार के प्रवासियों की मृत्यु और उनके परिवारों को मिलने वाली सहायता का गंभीर मुद्दा उठाया। सांसद ने विदेश मंत्रालय से पिछले तीन वर्षों में बिहार के मूल निवासियों की विदेशों में हुई मौतों का आंकड़ा और उनके कारणों की जानकारी मांगी थी।विदेश राज्य मंत्री ने जवाब में स्पष्ट किया कि मंत्रालय के पास राज्य-वार अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन पिछले तीन वर्षों में कुल 34,672 भारतीयों (क्रमशः 11,061, 11,841 और 11,770 प्रति वर्ष) की मृत्यु विदेशों में हुई है। सरकार ने आश्वासन दिया कि 'भारतीय समुदाय कल्याण कोष' के माध्यम से जरूरतमंदों को कानूनी सहायता, चिकित्सा और पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने में वित्तीय मदद दी जाती है। सांसद अजय मंडल ने केंद्र से राज्य-वार डेटा बनाए रखने और बिहार के श्रमिक परिवारों के लिए और अधिक प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित करने की मांग की है।

पोस्टर पॉलिटिक्स बड़े लोगों का खेल, सीएम का फैसला भी ऊपर से होगाः निरहुआ

बीएनएम @ पटना। भोजपुरी सुपरस्टार और भाजपा नेता दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने पटना पहुँचकर बिहार की राजनीति और पोस्टर वॉर पर बड़ा बयान दिया है, जिससे सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी अटकलों पर उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसे पोस्टर आम जनता नहीं बल्कि "बड़े लोग" अपनी बिसात बिछाने के लिए लगाते हैं। उन्होंने साफ किया कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला भी शीर्ष स्तर पर ही तय होगा।नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चाओं पर निरहुआ ने उनके अनुभव की सराहना करते हुए इसे राज्य हित में बताया। वहीं, भोजपुरी गायक खेसारी लाल यादव द्वारा राजनीति को कठिन बताने वाले बयान पर उन्होंने तीखा पलटवार किया। निरहुआ ने कहा कि राजनीति "नॉनसेंस" लोगों के लिए नहीं बल्कि ईमानदार लोगों का क्षेत्र है। उनके इस बयान ने न केवल राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है, बल्कि भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के दो दिग्गजों के बीच की जुबानी जंग को भी सार्वजनिक कर दिया है।

12 साल की मासूम से दरिंदगी, स्कूल ड्राइवर गिरफ्तार

बीएनएम @ सीवानः सीवान जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा गांव में शुक्रवार की शाम रामनवमी मेले के दौरान एक रूह कंपा देने वाली घटना घटी। परिवार के साथ मेला देखने गई 12 वर्षीय छात्रा को उसी के निजी स्कूल के चालक ने अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपी ने मासूम बच्ची को यह कहकर बहलाया कि उसके जीजा ने उसे दुकान पर बुलाया है। भरोसे में आकर बच्ची उसके साथ चली गई, जिसके बाद आरोपी उसे एक सुनसान स्कूल में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म कर फरार हो गया।काफी देर तक बच्ची के न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की, तो वह स्कूल के पास बदहवास और खून से लथपथ हालत में मिली। घर पहुंचने पर पीड़िता ने अपनी दादी को आपबीती सुनाई, जिसके बाद हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही बसंतपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वर्तमान में पीड़िता की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। स्कूल के ही कर्मचारी द्वारा विश्वासघात की इस घटना से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

मुखिया सुनैना देवी बनीं महिला सशक्तिकरण की मिसाल

शिवहर की 'बेटी' ने बदली पंचायत की सूरत

बीएनएम @ पटनाः बिहार के सबसे छोटे जिले शिवहर के पुरनहिया ब्लॉक स्थित दोस्तिया पंचायत की मुखिया सुनैना देवी महिला सशक्तिकरण की एक जीवंत मिसाल बनकर उभरी हैं। वर्ष 2022 में मुखिया निर्वाचित होने के बाद से उन्होंने पंचायत की सूरत बदलने के लिए शिक्षा को अपना मुख्य हथियार बनाया है। सुनैना देवी ने न केवल महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए हैं।उनकी मुहिम का ही परिणाम है कि आज पंचायत की दर्जनों महिलाएं और लड़कियां निजी व सरकारी स्कूलों में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। वे स्वयं स्कूलों के अटेंडेंस रजिस्टर पर नजर रखती हैं और हर बच्चे की शिक्षा सुनिश्चित करती हैं। उनकी इन्हीं उपलब्धियों और लोकप्रियता के कारण उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत कार्यक्रम में भी शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ।

सीवान में रामनवमी मेले के दौरान 12 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म, स्कूल ड्राइवर गिरफ्तार

बीएनएम @ सीवान

सीवान। जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा गांव में शुक्रवार शाम रामनवमी मेले के दौरान एक 12 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ दिल दहला देने वाली घटना घटी। परिवार के साथ मेला घूमने गई बच्ची के साथ उसके ही स्कूल का चालक आरोपी ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पीड़िता की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। परिवार सहित मेला देख रही भोली-भाली बच्ची से आरोपी ने धोखे से संपर्क किया और कहा, "तुम्हारे जीजा दुकान लगाए हैं और बुला रहे हैं।" बच्ची उसके साथ चली गई, लेकिन आरोपी ने उसे जीजा के पास न ले जाकर पास के सुनसान स्कूल में ले जाकर दुष्कर्म किया और भाग गया। देर रात तक न लौटने पर परिवार ने तलाश शुरू की। जीजा ने बाइक पर स्कूल के पास रोती हुई बच्ची को पाया। घर लौटने पर उसके कपड़े खून से सने मिले। दादी के पूछने पर बच्ची ने पूरी घटना बता दी। स्थानीय लोगों और परिवार की शिकायत पर बसंतपुर थाने की पुलिस ने फौरन आरोपी स्कूल ड्राइवर को दबोच लिया। पीड़िता को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। थानाध्यक्ष राजू कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ चल रही है। मामला गंभीर है, सख्त कार्रवाई होगी। जांच पूरी होने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। यह घटना इसलिए और सनसनीखेज है क्योंकि आरोपी उसी प्राइवेट स्कूल का ड्राइवर था जहां बच्ची पढ़ती है। समाज में इस विश्वासघात से व्यापक आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए हैं और आगे जांच जारी रखी है।

राजधानी में रसोई गैस की किल्लत बरकरार, 1,900 से अधिक शिकायतें दर्ज

बीएनएम @ पटना

पटना। राजधानी में रसोई गैस की किल्लत ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। प्रशासन के दावों और रिकॉर्ड वितरण के आंकड़ों के बावजूद, जमीन पर हकीकत यह है कि उपभोक्ताओं को एक सिलेंडर के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। शहर के विभिन्न इलाकों में लोग सुबह 4 बजे से ही खाली सिलेंडर लेकर गैस गोदामों के बाहर लंबी कतारों में लगने को मजबूर हैं, फिर भी कई लोगों को घंटों इंतजार के बाद खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।संकट के बीच "फेक डिलीवरी मैसेज" की नई समस्या ने उपभोक्ताओं की चिंता और बढ़ा दी है। पटेल नगर की मालती देवी जैसे कई पीड़ितों का आरोप है कि बिना सिलेंडर प्राप्त किए और बिना OTP साझा किए ही उनके मोबाइल पर 'डिलीवरी सफल' होने के संदेश आ रहे हैं, जो वितरण प्रणाली में बड़ी धांधली की ओर इशारा करते हैं। जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम में शिकायतों का अंबार लग गया है, जहाँ शुक्रवार को 72 नई शिकायतों

के साथ कुल आंकड़ा 1,916 तक पहुंच गया।हैरानी की बात यह है कि शुक्रवार को जिले में 34,018 सिलेंडरों का रिकॉर्ड वितरण हुआ, लेकिन बैकलॉग घटने के बजाय बढ़कर 1.53 लाख के पार पहुंच गया है। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने पर्याप्त स्टॉक का भरोसा दिलाते हुए एजेंसियों को पुरानी बुकिंग पहले निपटाने के सख्त निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने जनता से 'पैनिक बुकिंग' न करने की अपील की है। यदि वितरण में पारदर्शिता नहीं लाई गई, तो यह किल्लत आने वाले दिनों में और विकराल रूप ले सकती है।

गंगरा प्लस टू विद्यालय के छात्रों का शैक्षिक भ्रमण

» व्यावहारिक ज्ञान की ओर बढ़े कदम

बीएनएम @ गिद्धौर (जमुई)

गिद्धौर (जमुई)। बिहार सरकार की विशेष योजना के तहत जमुई जिले के गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत गंगरा स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए शनिवार को एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारना और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। विद्यालय परिसर से इस दल को पूरे उत्साह के साथ रवाना किया गया, जिसमें विद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार के नेतृत्व में यह दल गिद्धौर स्थित ऐतिहासिक महाराज चंद्रचूड़ विद्या मंदिर के अवलोकन के लिए निकला। इस भ्रमण के माध्यम से छात्रों को किताबी ज्ञान से इतर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने की कोशिश की गई है। विद्यार्थियों को अन्य उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों की प्रयोगशालाओं, समृद्ध पुस्तकालयों और खेल सुविधाओं को देखने का अवसर मिला, ताकि वे वहां की व्यवस्थाओं से प्रेरित हो सकें।शिक्षकों का मानना है कि इस तरह के दौरों से छात्रों में सीखने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है और उनका आत्मविश्वास मजबूत होता है। प्रधानाध्यापक ने जोर देकर कहा कि शैक्षिक भ्रमण छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में सहायक होते हैं। इस अवसर पर राकेश कुमार सिंह, अभिषेक कुमार, सुशीला कुमारी महतो, उषा कुमारी और उचित कुमार आर्या समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं, जिन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

साहीवाल नस्ल के संवर्धन से बदलेगी बिहार के पशुपालकों की तकदीर

पूर्वी भारत में पहली बार सफल प्रयोग, डेयरी क्षेत्र में बिहार की बड़ी छलांग

बीएनएम @ समस्तीपुर

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने डेयरी क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पूर्वी भारत में पहली बार इन विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीक के माध्यम से साहीवाल नस्ल की चार बछियों का सफल जन्म कराकर पशुपालन जगत में नई क्रांति का सूत्रपात किया है। इनमें से तीन बछियों का जन्म पिपराकोठी स्थित उत्कृष्टता केंद्र में हुआ, जबकि चौथी ने मोतिहारी के चकिया गौशाला में जन्म लिया।कुलपति डॉ. पी.एस. पांडेय के अनुसार, यह उपलब्धि विदेशी नस्लों जैसे 'होलस्टीन फ्रीजियन' पर निर्भरता कम करने की दिशा में बड़ा कदम है, जो भारतीय जलवायु में अक्सर बीमार पड़ जाती हैं। इसके विपरीत, साहीवाल जैसी देसी नस्लें स्थानीय वातावरण के अनुकूल और अधिक सहनशील होती हैं। विश्वविद्यालय अब "क्लाइमेट-स्मार्ट" गाय विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो भीषण गर्मी झेलने में सक्षम होंगी और कम लागत में उच्च दुग्ध उत्पादन देंगी।डेयरी वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तकनीक से प्राप्त A2 दूध न केवल पोषण (कैल्शियम, विटामिन D, ओमेगा-3) से भरपूर है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी उत्तम है। डॉ. कृष्ण मोहन कुमार ने स्पष्ट किया कि IVF तकनीक की मदद से किसी भी नस्ल की गाय से शुद्ध साहीवाल जेनेटिक वाली बछियां प्राप्त की जा सकती हैं। डॉ. आर.के. अस्थाना और उनकी टीम की इस सफलता से बिहार के किसानों की आय बढ़ने और राज्य के डेयरी सेक्टर में एक नए युग की शुरुआत होने की पूरी उम्मीद है।

काम छोड़ वीडियो कॉल उठाओ! सीएचओ का आरोप, मानसिक टॉर्चर, सिविल सर्जन से शिकायत

बीएनएम @ पताही @ श्रीनिवास कुमार

पताही। पताही प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) ने कार्य निष्पादन में आ रही बाधाओं और मानसिक प्रताड़ना को लेकर सिविल सर्जन सह सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, मोतिहारी को लिखित शिकायत दी है। सीएचओ द्वारा दिए गए आवेदन में पत्रांक 3276, DHS, दिनांक 18 मार्च 2026 का हवाला देते हुए कहा गया है कि वे सभी विभागीय निर्देशों का पालन कर रहे हैं, इसके बावजूद उनके नियमित कार्यों के अतिरिक्त कई अन्य जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं का सुचारू संचालन प्रभावित हो रहा है। शिकायत में बताया गया है कि सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित समय में सभी कार्यों का निष्पादन करना कठिन हो गया है। DHS पोर्टल पर डाटा अपलोड करने में तकनीकी समस्याएं आ रही हैं, वहीं बार-बार कॉल कर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ रहा है। सीएचओ ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि DHS कार्यालय के एक डाटा ऑपरेटर द्वारा मोबाइल नंबर 8809564081 से लगातार वीडियो कॉल कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। इससे उनके कार्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और वे मानसिक दबाव में काम करने को मजबूर हैं। शिकायत करने वालों में सबिता कुमारी, अंजली कुमारी, राजीव कुमार, पंकज राय, प्रीति कुमारी, गणेशा राम, सुमित कुमारी समेत अन्य सीएचओ शामिल हैं। सीएचओ ने सिविल सर्जन से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने और स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों और कर्मियों को अनावश्यक प्रताड़ना से राहत मिल सके।

9वीं फेल सीएम बन सकता है तो इंजीनियर निशांत कुमार क्यों नहींः अशोक चौधरी

बीएनएम @पटना

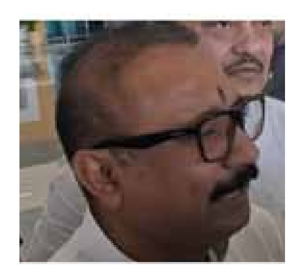

पटना। बिहार की सियासत में जेडीयू के कद्दावर नेता और मंत्री अशोक चौधरी के ताजा बयान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अशोक चौधरी ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की सक्रिय राजनीति में एंट्री के संकेतों पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि "निशांत के लिए आसमान की कोई सीमा नहीं है।" उन्होंने विपक्ष पर तीखा तंज कसते हुए सवाल उठाया कि यदि नौवीं फेल कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री बनने का दावा कर सकता है, तो इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले निशांत कुमार इस पद के योग्य क्यों नहीं हो सकते?अशोक चौधरी ने न केवल निशांत को भविष्य का नेता बताया, बल्कि उन्हें केवल डिप्टी सीएम पद तक सीमित न रखने की वकालत भी की। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की अटकलों पर भावुक होते हुए चौधरी ने कहा कि बिहार के विकास में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। इसके साथ ही उन्होंने ममता बनर्जी की बयानबाजी को केवल कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने की एक राजनीतिक रणनीति करार दिया। इस बयान ने राज्य में वंशवाद बनाम योग्यता की नई सियासी जंग शुरू कर दी है।

फुलकाहा में भीषण आग से मची तबाही, पांच घर जलकर राख

» चार परिवारों की जीवन भर की पूंजी हुई खाक

बीएनएम @सुपौल

सुपौल। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज प्रखंड अंतर्गत जदिया पंचायत के फुलकाहा वार्ड-21 में शनिवार की सुबह भीषण अगलगी ने भारी तबाही मचाई। अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और चार गरीब परिवारों के पांच घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में गोसाय शर्मा, मिथलेश शर्मा, पप्पू शर्मा और खट्टर शर्मा के आशियाने पूरी तरह जलकर राख हो गए।आग इतनी तेज थी कि ग्रामीणों को घरेलू सामान निकालने का मौका तक नहीं मिला। पीड़ित परिवारों की जीवन भर की कमाई—करीब 70 हजार रुपये नकद, दो साइकिल, अनाज, बर्तन, कपड़े और महत्वपूर्ण दस्तावेज—पल भर में खाक हो गए। हालांकि आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन चूल्हे की चिंगारी या शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए निजी स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन गांव तक पक्की सड़क न होने के कारण दमकल की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंच सकी, जिससे राहत कार्य में काफी बाधा आई। वर्तमान में इन चारों परिवारों के पास न तो सिर छिपाने की जगह बची है और न ही खाने का दाना। घटना के बाद अंचल अधिकारी प्रियंका कुमारी ने संज्ञान लेते हुए जांच के लिए कर्मी को भेजा है और रिपोर्ट के आधार पर आपदा विभाग की ओर से जल्द मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

बिहार में 1 अप्रैल से शुरू होगी गेहूं की सरकारी खरीद, 48 घंटे में मिलेगा पैसा

0.18 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य, सहकारिता विभाग ने पूरी की तैयारियां

बीएनएम @पटना

पटनाः बिहार में गेहूं उत्पादक किसानों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से गेहूं की सरकारी खरीद (अधिप्राप्ति) शुरू करने का निर्णय लिया है। सहकारिता विभाग ने इसके लिए पैक्स और व्यापार मंडलों के माध्यम से सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले साल के मुकाबले 160 रुपये अधिक है। यह मूल्य वृद्धि किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।राज्य सरकार ने इस विपणन मौसम के लिए कुल 0.18 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है। प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए सहकारिता विभाग लगातार किसानों को जागरूक कर रहा है। हाल ही में विभिन्न जिलों में निबंधित किसानों के साथ बैठकें कर उन्हें निबंधन, अधिप्राप्ति प्रक्रिया और भुगतान प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई है।खरीद प्रक्रिया में शामिल होने के लिए किसान कृषि विभाग के पोर्टल पर अपना ऑनलाइन निबंधन करा सकते हैं। भुगतान की व्यवस्था को बेहद तेज रखा गया है; गेहूं की बिक्री के मात्र 48 घंटों के भीतर पीएफएमएस (PFMS) प्रणाली के जरिए सीधे किसानों के बैंक खाते में राशि भेज दी जाएगी। किसान अपनी सुविधा के अनुसार पंचायत स्तर पर पैक्स या प्रखंड स्तर पर व्यापार मंडल का चुनाव कर सकते हैं। किसी भी सहायता या शिकायत के लिए विभाग ने हेल्पलाइन नंबर 0612-2200693 भी जारी किया है।

समस्याएं दूर नहीं हुई

अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है। मगर निर्यात, ऋण, कर वसूली, बिजली उपभोग, बिक्री, एवं औद्योगिक उत्पादन संकेतक आदि से संबंधित आंकड़े इस रुझान की पुष्टि नहीं करते। अर्थशास्त्रियों के लिए इसे समझना रहस्य बना रहा है। हाल में जीडीपी के अपनाए गए नए आधार वर्ष और नई विधि के बावजूद यह रहस्य सुलझा नहीं है। अमेरिका स्थित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनमिक्स (पीआईआईई) के एक ताजा शोध पत्र में इस रहस्य को समझने की कोशिश की गई है।

भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं अब पीआईआईई से जुड़े अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम और दो अन्य अर्थशास्त्री इस शोध में शामिल हुए। वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जीडीपी की नई सीरीज अपनाए जाने के बावजूद वे समस्याएं दूर नहीं हुई हैं, जिस कारण पुरानी सीरीज से अयथार्थ तस्वीर उभरती थी। इन अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध जनवरी 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई थी। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था। तब थोक मूल्य सूचकांक का सेवा क्षेत्र में भी डिफ्लेटर के रूप मे इस्तेमाल किया जाने लगा। इन अर्थशास्त्रियों का दावा है कि डब्लूपीआई सेवा क्षेत्र के मूल्यों को समाहित कर पाने में विफल रहता है।

इन बिंदु पर इस बार भी सुधार हुआ नहीं दिखता। एक अन्य समस्या औपचारिक क्षेत्र के आधार पर अनौपचारिक क्षेत्र के प्रदर्शन का आकलन है। अनौपचारिक क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और कोविड लॉकडाउन से अधिक बुरी तरह प्रभावित हुआ, लेकिन वो हकीकत जीडीपी आंकड़ों में नहीं झलकी। पिछले दो दशक के आंकड़ों की गणना के आधार पर शोध पत्र में कहा गया है कि विसंगतियों के कारण संभवतः 2005 से 2011 तक असल जीडीपी का एक से डेढ़ प्रतिशत कम अंदाजा लगा, जबकि 2012 से 2023 तक इसे डेढ़ से दो प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया। अपेक्षा थी कि नई सीरीज से इसमें सुधार होगा। मगर पीआईआईई के शोध-पत्र ने इस संबंध में नए संदेह खड़े कर दिए हैं।

वैश्विक ऊर्जा संकट बनाम लॉकडाउन की आशंका?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- क्या दुनियाँ फिर कोविड-19 जैसे दौर की ओर बढ़ रही है या यह केवल भय और अफवाहों का जाल है?

क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है?- अफवाह बनाम ज़मीनी हकीक- भय,भ्रम और बदलती वैश्विक वास्तविकता

पीएम की लगातार बैठकें,देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित करना -अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी को ध्यान में रखना ज़रूरी

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी ने दुनियाँ को जिस तरह से झकझोर कर रख दिया था,उसकी स्मृतियाँ आज भी लोगों के मन में ताज़ा हैं। 2020-21 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन,आर्थिक गतिविधियों का ठप होना,सड़कों पर सन्नाटा और अनिश्चित भविष्य ये सब अनुभव आज भी समाज की सामूहिक चेतना में गहराई से बसे हुए हैं।ऐसे में जब 2026 में ऊर्जा संकट, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और सरकारों की लगातार बैठकों की खबरें सामने आती हैं,तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में यह सवाल उठता है,क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है? क्या यह एक नए प्रकार का ऊर्जा लॉकडाउन होगा? या यह केवल अफवाहों औरसोशल मीडिया की उपज है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं क़ि इस बार संकट का कारण कोई वायरस नहीं,बल्कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताएँ हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने कई देशों को सतर्क कर दिया है। कुछ देशों में बिजली की खपत कम करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है,सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में केवल चार दिन काम का मॉडल अपनाया जा रहा है, और वर्क फ्रॉम होम को फिर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।यह स्थिति भले ही कोविड जैसी स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव उतने ही गहरे हो सकते हैं।श्रीलंका जैसे देशों में पहले से ही ऊर्जा संकट के कारण सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं है,बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और नागरिक जीवन को भी सीधे प्रभावित करता है।भारत की स्थिति की व्याख्या हम,सतर्कता लेकिन घबराहट नहीं के रूप में कर सकते हैं,भारत भी इस वैश्विक संकट को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 26 मार्च 2026 को शाम साढ़े छह बजे बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है।इन बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार उपलब्ध है, जो तत्काल किसी बड़े संकट की संभावना को कम करता है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।वित्त मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री ने संयुक्त रूप से बयान देकर इन अफवाहों को खारिज किया है। भारत में लॉकडाउन के संदेह का जन्म संसद में पीएम के बयान की गलत व्याख्या,अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग की स्थिति उत्पन्न हुई, इंडियन ऑइल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सफाई दी हैसरकार का स्पष्ट संदेश है क़ि देश में पर्याप्त फ्यूल स्टॉक मौजूद है। लॉकडाउन और फ्यूल क्राइसिस की खबरें पूरी तरह भ्रामक है सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी से सतर्क रहने की अपील की गई है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीयमंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह गलत और हानिकारक बताया है। लोग घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर ध्यान दें, क्योंकि ईंधन और जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है।

साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया और अफवाहों का तंत्रः डर का नया स्रोत इसको समझने की करें तो आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है,उतनी ही तेजी से भ्रम और अफवाहें भी फैलती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऊर्जा लॉकडाउन और देशव्यापी बंदी जैसे शब्द ट्रेंड करने लगे,जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने लगीं,गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की खरीद अचानक बढ़ गई।यह स्थिति बताती है कि संकट केवल वास्तविक नहीं होता, बल्कि उसकी धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है,तो उनका व्यवहार भी उसी अनुसार बदल जाता है,चाहे वास्तविक स्थिति उतनी गंभीर न हो।

साथियों बात अगर हम भारत की रणनीतिः संतुलन और स्थिरता को समझने की करें तो भारत ने पिछले कुछवर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर बढ़ता जोर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण ये सभी कदम भारत को इस प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।सरकार का वर्तमान फोकस स्पष्ट हैःआपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखना,कीमतों को नियंत्रित रखना,जनता में घबराहट को रोकना,जनता की भूमिका-संयम और जागरूकता- किसी भी संकट के दौरान सरकार की नीतियों के साथ-साथ जनता का व्यवहार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि लोग अफवाहों पर विश्वास करके अनावश्यक खरीददारी करते हैं, तो इससे कृत्रिम संकट उत्पन्न हो सकता है।इसलिए यह आवश्यक है कि लोग केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। साथियों बात अगर हम राजनीतिक बयानबाज़ी और उसके प्रभाव को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक बयानबाज़ी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बार फिर लॉकडाउन लगा सकती है और लोगों को घरों में कैद कर सकती है।उन्होंने 2021 के लॉकडाउन और चुनावों का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।हालांकि, ऐसे बयान अक्सर राजनीतिक दृष्टिकोण से दिए जाते हैं,लेकिन इनका असर आमजनता पर गहरा पड़ता है। जब एक वरिष्ठ नेता इस तरह की आशंका व्यक्त करता है, तो लोगों के मन में अनिश्चितता और भय और अधिक बढ़ जाता है।

साथियों बात अगर हम पीएम के संसद में बयान और उसके गलत अर्थ को समझने की करें तो,सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि पीएम ने संसद में अपने संबोधन के दौरान लॉकडाउन का संकेत दिया था।लेकिन वास्तविकता यह है कि उन्होंने केवल कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए यह कहा था कि हमें हर प्रकार की चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। इस बयान को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।यह घटना यह दर्शाती है कि किस तरह आधी-अधूरी जानकारी या संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किए गए बयान बड़े पैमाने पर सटीक रूप से गलतफहमी पैदा कर सकते हैं। साथियों बात अगर हम,क्या वैश्विक स्तरपर ऊर्जा लॉकडाउन संभव है? इसको समझने की करें तो,ऊर्जा लॉकडाउन का विचार नया है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं। यदि ऊर्जाआपूर्ति में भारी कमी आती है,तो सरकारें बिजली और ईंधन की खपत को नियंत्रित करने के लिए कुछ प्रतिबंधात्मक उपाय लागू कर सकती हैं।हालांकि, यह कोविड-19 जैसे पूर्ण लॉकडाउन से अलग होगा।ऊर्जा संकट के दौरान संभावित उपायों में शामिल हो सकते हैः(1)औद्योगिक गतिविधियों को सीमित करना (2) कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना (3) सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना (4) बिजली और ईंधन की खपत परनियंत्रण लेकिन इन उपायों का उद्देश्य जीवन को पूरी तरह रोकना नहीं, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना होगा।

साथियों बात अगर हम इस पूरी स्थिति को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यः में समझने की करें तो ऊर्जा और भू-राजनीति का जटिल संबंध है,ऊर्जा संकट केवल किसी एक देश की समस्या नहीं है,बल्कि यह एक वैश्विक चुनौती है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर पूरी दुनियाँ पर पड़ रहा है। तेल और गैस कीआपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है।फ्रांस में आयोजित जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत के विदेश मंत्री ने भी स्पष्ट किया कि भारत किसी बिचौलिया देश की भूमिका नहीं निभा सकता। उनका यह बयान भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका को दर्शाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वास्तविकता बनाम धारणा, वर्तमान स्थिति को यदि समग्र रूप से देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि दुनियाँ एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है, लेकिन यह कोविड-19 जैसी स्थिति नहीं है। ऊर्जा संकट एक गंभीर मुद्दा है,लेकिन इसका समाधान लॉकडाउन नहीं,बल्कि बेहतर प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में निहित है।भारत सहित अधिकांश देशों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लॉकडाउन जैसी कोई योजना नहीं है। जो कुछ भी हो रहा है, वह सतर्कता और तैयारी का हिस्सा है,न कि किसी बड़े प्रतिबंध कीइसलिए यह कहा जा सकता है कि ऊर्जा लॉकडाउन की चर्चा अधिकतर अफवाहों और भय का परिणाम है वास्तविकता यह है किसरकारें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आवश्यक कदम उठा रही हैं। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण है तथ्यों पर आधारित सोच, संयमित व्यवहार और सामूहिक जिम्मेदारी।दुनिया बदल रही है, चुनौतियाँ भी बदल रही हैं।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

वैश्विक ऊर्जा संकट बनाम लॉकडाउन की आशंका? (लेखक--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र/ईएमएस)

क्या एपस्टीन फाइल दबाने ट्रंप ने युद्ध का दांव खेला

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका की राजनीति में षड्यंत्र, आरोप और रणनीतिक शोर कोई नई बात नहीं है। हाल के समय में यह सवाल बार-बार उठाया जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने कथित एपस्टीन फाइल के दबाव से ध्यान हटाने के लिए युद्ध या युद्ध जैसे माहौल का सहारा लिया? यह सवाल जितना सनसनीखेज है, उतना ही जटिल भी। सोचने वाली बात यह है कि डोनालड ट्रंप व्यवसयी भी है और अब दूसरी बार के अमेरिकी राष्टपति जो कि बहुत बड़ी बात है। ट्रंप अब मजे हुए खिलाड़ी है। उन्हें मालूम है कि विरोधी के सुर कैसे बंद करने हैं। ऐसे में जब ईरान कुछ कह रहा है और अमेरिका के राष्ट्रपति कुछ ओर आज की मामला ले ले कि ट्रंप ने 10 दिन का युद्ध विराम कर क्या साबित करना चाहते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति बार -बार मीडिया के सामने आकर बयान पर बयान दिये जा रहे हैं कि अब ईरान से बात हो रही है जबकि पत्रकार के पूछने पर कि ईरान के किस व्यक्ति से बात हो रही है तो ट्रंप सवाल पर टालते हुए आगे दूसरी बात करते हैं। इससे साफ जाहिर होता है डोनाल्ड ट्रंप इस जंग में फंस चुके हैं। उन्हें अब इससे बाहर निकलने का रास्ता नहीं दिख रहा । इसलिए वह बार-बार युद्ध विराम का सहारा ले रहे हैं। जबकि इससे पूरा विश्व त्रस्त हो चुका है। कई देश तो अमरजेंसी हालात बन चुके हैं।

सबसे पहले समझना होगा कि एपस्टीन फाइल से आशय उन दस्तावेजों और संपर्कों से है जो जैफरी क्या एपस्टीन से जुड़े थे—एक ऐसा नाम जो वैश्विक प्रभावशाली लोगों के नेटवर्क और गंभीर अपराधों के आरोपों के कारण चर्चा में रहा। इन फाइलों को लेकर समय-समय पर कई दावे और अटकलें सामने आती रही हैं, लेकिन ठोस और सार्वजनिक रूप से प्रमाणित तथ्य सीमित ही हैं।यह धारणा कि किसी नेता ने घरेलू विवादों से ध्यान हटाने के लिए बाहरी संघर्ष को हवा दी, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पहले भी चर्चा का विषय रही है। इसे डायवर्जनरी वॉर थ्योरी कहा जाता है। लेकिन इस सिद्धांत को हर घटना पर लागू करना उचित नहीं होता। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के संदर्भ में भी, उनके कार्यकाल और उसके बाद की राजनीति में कई बार आक्रामक बयानबाजी और सैन्य तनाव देखने को मिला। मगर यह कहना कि किसी विशेष फाइल को दबाने के लिए जानबूझकर युद्ध का दांव खेला गया—इसका कोई ठोस, प्रमाणित साक्ष्य सार्वजनिक

रूप से उपलब्ध नहीं है। आज के दौर में सोशल मीडिया और वैचारिक ध्रुवीकरण के कारण अधूरी जानकारी तेजी से सत्य का रूप ले लेती है। एपस्टीन फाइल जैसे संवेदनशील विषय पर कई तरह के दावे राजनीतिक एजेंडा के तहत भी फैलाए जाते हैं।यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि किसी भी बड़े सैन्य या कूटनीतिक निर्णय के पीछे अनेक कारक होते हैं—रणनीतिक हित, सहयोगी देशों का दबाव, सुरक्षा चिंताएं, और वैश्विक शक्ति संतुलन। इन्हें केवल एक व्यक्तिगत या कानूनी विवाद से जोड़ देना अक्सर सरलीकरण होता है।एपस्टीन फाइल एक गंभीर और जांच का विषय है। लेकिन इसे किसी संभावित युद्ध रणनीति से सीधे जोडऩे के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है, परंतु निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए, न कि अटकलों पर। जनता और मीडिया दोनों की जिम्मेदारी है कि वे सनसनी से ऊपर उठकर सत्य की खोज करें—क्योंकि लोकतंत्र में शोर नहीं, बल्कि प्रमाण ही सबसे बड़ा आधार होता है।

बार बार युद्ध विराम से अछा है कि युद्ध ही विराम हो जाये

बार-बार युद्धविराम से बेहतर है कि युद्ध ही विराम हो जाए। आज की वैश्विक राजनीति एक अजीब विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर युद्ध छिड़ते हैं, निर्दोष लोग मारे जाते हैं, शहर खंडहर बनते हैं; दूसरी ओर, कुछ दिनों या हफ्तों के युद्धविराम का दिखावटी मरहम लगाया जाता है। यह प्रश्न अब गंभीरता से उठने लगा है—क्या बार-बार के अस्थायी युद्धविराम वास्तव में समाधान हैं, या वे सिर्फ युद्ध को लंबा खींचने का साधन बन चुके हैं?युद्धविराम का मूल उद्देश्य होता है हिंसा को रोककर शांति की दिशा में ठोस पहल करना। लेकिन जब यह केवल रणनीतिक विराम बनकर रह जाए—जहां पक्ष अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने, पुनर्गठन करने और अगली आक्रामक कार्रवाई की तैयारी करते हैं—तो यह शांति नहीं, बल्कि एक छलावा बन जाता है। ऐसे युद्धविराम न तो स्थायी समाधान देते हैं और न ही मानवीय संकट को समाप्त करते हैं।इतिहास गवाह है कि कई संघर्षों में बार-बार हुए युद्धविराम ने समस्या को सुलझाने के बजाय और जटिल बना दिया। हर बार उम्मीद बंधती है कि शायद अब स्थायी शांति का रास्ता निकलेगा, लेकिन कुछ ही समय बाद गोलियां फिर चलने लगती हैं। इससे न केवल विश्वास का संकट गहराता है, बल्कि आम नागरिकों के मन में भी निराशा घर कर जाती है।यह कहना कठोर लग सकता है, लेकिन कभी-कभी अधूरी शांति से बेहतर निर्णायक समाधान होता है। युद्ध ही विराम हो जाए का आशय यह नहीं कि युद्ध को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि यह कि संघर्ष का ऐसा अंतिम और ठोस समाधान निकले, जिसके बाद बार-बार की हिंसा और अस्थिरता का दौर खत्म हो सके। आधे-अधूरे समझौते और अस्थायी विराम केवल घाव को ढकते हैं, भरते नहीं।आज जरूरत है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संबंधित देश ईमानदारी से स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाएं। कूटनीति केवल बयानबाजी तक सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक राजनीतिक इछाशक्ति के साथ आगे बढ़े। युद्धविराम तभी सार्थक होगा जब वह स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करे, न कि अगले संघर्ष की प्रस्तावना बने। मानवता का हित इसी में है कि युद्ध समाप्त हो—सिर्फ कुछ दिनों के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए। क्योंकि हर अस्थायी विराम के पीछे छिपी होती है एक नई त्रासदी की आहट। अमेरिका और इजरायल को मिलकर सोचना होगा कि जिसके लिए युद्ध किया गया वह बात कहीं भी दिखाई नहीं दे रही। वहीं इससे पूरे विश्व को नुकसान ही हुआ है। कथित एपस्टीन फाइल का जो सच जनता के सामने आना था वो आ चुका है। ऐसे में युद्ध विराम ही सबसे उत्तम उपाय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

मध्य पूर्व तनाव का असर, लेकिन भारत तैयारः संसाधनों का संयमित उपयोग अनिवार्य

सुनील कुमार महला

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विश्व के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, असीमित नहीं। इसलिए उनका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अनावश्यक रूप से बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है।

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें, क्योंकि इनका उद्देश्य केवल भय और घबराहट पैदा करना है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस भंडार में कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा भूमिगत रणनीतिक भंडारण शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मध्य-पूर्व संकट के 27वें दिन तक देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, हर नागरिक के लिए लगभग दो महीने तक निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद पहले से ही सुनिश्चित कर ली है। इतना ही नहीं, मीडिया के हवाले से यह भी खबरें आईं हैं कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल

पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर 10 की कटौती की गई है, इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों और आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए कर दिया गया है तथा डीजल पर यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म यानी जीरो कर दी गई है। बहरहाल, जहां कुछ देशों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग और पेट्रोल पंपों के बंद होने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, वहीं भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और किसी आपातकालीन कदम की आवश्यकता भी नहीं पड़ी है।बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि संकट की इस घड़ी में समाज की वास्तविक परीक्षा एकजुटता और जिम्मेदारी में निहित होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई बड़ा संकट आता है-चाहे वह महामारी हो, प्राकृतिक आपदा या आर्थिक मंदी-तब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासन और व्यापारिक वर्ग की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है।

दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसी प्रवृत्तियां भी उभरती हैं, जो कृत्रिम कमी पैदा कर आम लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं। वास्तव में,कालाबाजारी और मुनाफाखोरी समाज की आर्थिक व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती हैं।यह न केवल आम जनता की जेब पर बोझ डालती है, बल्कि विश्वास की नींव को भी कमजोर करती है। आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाना नैतिक और कानूनी दोनों रूप से गलत है।सच तो यह है कि ऐसे समय में गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में सरकार को सख्त कानून और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करनी चाहिए। साथ ही, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई से ही इसका सही समाधान संभव है।

जनता को भी जागरूक रहकर ऐसे कृत्यों का विरोध करना चाहिए।ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ व्यापार करना ही स्वस्थ समाज की पहचान है।वास्तव में, हमें यह समझना होगा कि वास्तविक शक्ति संसाधनों को जमा करने में नहीं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंचाने में है।

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप परिवार के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आपके व्यवहार में कुछ अच्छे बदलाव आने से आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर पूर्ण रूप से सतर्क रहेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज महाअष्टमी के दिन आपके सभी कार्य सफल होंगे। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपकी टेंशन ख़त्म होंगी। आज आप किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते। आपको माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे। जो लोग किसी नये काम में इंवेस्ट करने की सोच रहे हैं, वे किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले लें।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। किसी यात्रा पर जाने का मन बना रहे हैं तो कुछ दिनों के लिए टाल दें।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। माता महागौरी की कृपा से आपका जीवन खुशियों से भरा रहेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। पिता से आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज ऐसी पुरानी चीज आपके हाथ लग सकती है, जिसे पाकर आपको खुशी महसूस होगी। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बितायेंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी खुशियाँ लेकर आया है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनायेंगे।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जायेंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। रुपए पैसों के मामले में लापरवाही करने से आपको बचना चाहिए। टूर एंड ट्रेवल्स का काम कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होगा। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर ने हॉकी इंडिया आठवें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)' का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के तहत प्रदान किया गया। नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुनी गईं। इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, "इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हॉकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।"

आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, "आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।"

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, "मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।" आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

आईपीएल 2026: चोट के कारण शुरुआती दो हफ्तों से बाहर रहेंगे महेंद्र सिंह धोनी

सीएसके को बड़ा झटका

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 28 मार्च (हि.स.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले महेंद्र सिंह धोनी की चोट ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बड़ा झटका दिया है। फ्रेंचाइजी द्वारा शनिवार को जारी बयान के अनुसार, धोनी टूर्नामेंट के पहले दो हफ्तों में नहीं खेल पाएंगे।

टीम ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि धोनी इस समय काफ स्ट्रेन (पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव) से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, जिसके चलते वह शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे।

धोनी आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं और उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांच बार खिताब जीता है। उनके अनुभव की कमी टीम को शुरुआती मैचों में खल सकती है। पिछले सीजन में धोनी ने 13 पारियों में 196 रन बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 135.17 रहा। उन्होंने सीजन में 12 चौके और 12 छक्के लगाए थे, जबकि डेथ ओवर्स में उनका स्ट्राइक रेट 151.72 रहा था। सीएसके की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं। टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। ऐसे में आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स को कई बड़े झटके लगे हैं, जिससे टीम की रणनीति पर असर पड़ सकता है।

मियामी ओपन 2026: यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

एजेंसी, मियामी

मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा।

24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी। विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा। हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं। महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी 'सनशाइन डबल' पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

एजेंसी, सेंट किट्स

सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

टीम की शुरुआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े। जॉर्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया। अंततः वेस्टइंडीज की टीम 238/8 तक ही पहुंच सकी और मुकाबला गंवा बैठी।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एमिएक टेक्नोलॉजीज का आईपीओ, पहले दिन मिला 11 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

डिजिटल मार्केट सॉल्यूशन का काम करने वाली कंपनी एमिएक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 31.75 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में आठ अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 13 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। आज पहले दिन इस आईपीओ को 11 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल सका है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 93 रुपये से लेकर 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,35,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 32.40 लाख नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 46.67 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.70 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.44 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.19 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्रा. लि. को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 39 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 84 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 4.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 4.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई।

शेयर बाजार में आई जबरदस्त गिरावट, जानिए क्या थी इसकी वजह

एजेंसी, नई दिल्ली

मंगलवार और बुधवार को जोरदार तेजी दिखाने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। पूरे दिन के कारोबार में सेंसेक्स में 1,739 अंक तक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं निफ्टी ने भी 501 अंक से अधिक का गोता लगाया। माना जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के जल्द खत्म होने की उम्मीद कमजोर पड़ने, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर नीचे फिसलने, विदेशी निवेशकों की जम कर बिकवाली और शेयर बाजार में हुई मुनाफा वसूली की वजह से शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का गवाह बना। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की किसी भी सख्ती या नरमी का ईरान पर कोई असर पड़ता हुआ नजर नहीं आ रहा है। ईरान ने न केवल जंग जारी रखने का अपना इरादा दोहराया है, बल्कि अपनी ओर से अमेरिका के सामने ऐसी शर्तें भी रख दी है, जिन्हें मानना अमेरिका के लिए लगभग असंभव है। ऐसी स्थिति में जंग के थमने की बात को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। जंग के जारी रहने की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट में लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दो प्रतिशत तक गिर गए थे। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हुए थे। आज भी शुरुआती कारोबार के दौरान यूरोपीय बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर दबाव बना रहा। वैश्विक स्तर पर शेयर बाजार में आई कमजोरी की वजह से भी आज घरेलू शेयर बाजार प्रभावित हुआ। कमजोर ग्लोबल संकेतों और जियो पॉलिटिकल टेंशन की वजह से विदेशी निवेशक भी आज अपना पैसा निकालने के लिए लगातार बिकवाली करते रहे। विदेशी निवेशकों की बिकवाली की वजह से भी मार्केट सेंटीमेंट्स लगातार बिगड़ते गए, जिसकी वजह से छोटे निवेशकों ने भी बिकवाली कर बाजार से अपना पैसा सुरक्षित निकाल लेने में ही भलाई समझी। पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमत में भी आज तेजी का रुख बना रहा। ब्रेंट क्रूड आज 111.48 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी आज 97.22 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गोता लगाया। कच्चे तेल में आई गिरावट की वजह से भी मार्केट सेंटीमेंट्स पर निगेटिव असर पड़ा। इसी तरह रुपये की कमजोरी ने भी मार्केट सेंटीमेंट्स को प्रभावित करने का काम किया। रुपया आज ऐतिहासिक गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले 94.85 के स्तर तक गिर गया। हालांकि अंत में रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, जिसके कारण भारतीय मुद्रा 85 पैसे की कमजोरी के साथ 94.81 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इस मामूली सुधार के बावजूद भारतीय मुद्रा की गिरावट में निवेशकों पर दबाव बढ़ाने का ही काम किया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मार्च को समाप्त हफ्ते में 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर रह गया है। इसके पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार में भारी गिरावट की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार घटा है। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार में 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते के दौरान 4.88 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी, यह अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 728.49 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आंकड़ों के मुताबिक 20 मार्च को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.13 अरब डॉलर बढ़कर 557.69 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक के अनुसार इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 13.49 करोड़ डॉलर घटकर 117.19 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.63 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, आंकड़ों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार इस दौरान 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.83 अरब डॉलर हो गया।

पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से जनता को बड़ी राहत, लॉजिस्टिक लागत पर लगेगा अंकुश: खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर विशेष उत्पाद शुल्क में की गई महत्वपूर्ण कटौती का स्वागत किया है। उन्होंने इसे वैश्विक संकट के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश की जनता के हित में लिया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम बताया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी का यह निर्णय आम जनता को राहत देने तथा आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल है। खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर विशेष उत्पाद शुल्क को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य किया जाना न केवल उपभोक्ताओं के लिए राहतकारी कदम है, बल्कि इससे परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र को भी बड़ी मजबूती मिलेगी। खंडेलवाल ने कहा कि इस निर्णय का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव लॉजिस्टिक लागत पर पड़ेगा। इस कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता आने से परिवहन खर्च में वृद्धि पर अंकुश लगेगा, जिससे वस्तुओं की ढुलाई लागत नियंत्रित रहेगी और बाजार में कीमतों के अनावश्यक बढ़ने पर रोक लगेगी। इसका सीधा लाभ देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को मिलेगा, क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें संतुलित बनी रहेंगी।

भारत को 16,420 करोड़ रुपये का ओडीए लोन देगा जापान, मेट्रो, हेल्थकेयर और कृषि परियोजनाओं को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान सरकार ने भारत को चार बड़े परियोजनाओं के लिए 275.858 अरब जापानी येन (करीब 16,420 करोड़ रुपये) का आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) लोन देने का ऐलान किया है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि जापान सरकार ने भारत को शहरी परिवहन, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में चार परियोजनाओं के लिए 275.858 अरब जापानी येन (करीब 16,420 करोड़ रुपये) का आधिकारिक विकास सहायता ऋण देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिन्हें पंजाब, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों में कार्यान्वित किया जाना है। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव आलोक तिवारी और भारत में जापान के राजदूत केइची ओनो के बीच 24 मार्च 2026 को ऋण समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। ये फंड शहरी परिवहन, स्वास्थ्य और कृषि जैसे अहम क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इस मदद से कर्नाटक, महाराष्ट्र और पंजाब जैसे राज्यों में बड़े प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया जाएगा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस लोन का एक बड़ा हिस्सा मेट्रो रेल नेटवर्क को बढ़ाने में लगाया जाएगा। बेंगलुरु मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज 3 के लिए 102.480 अरब येन दिए जाएंगे, जिससे शहर में ट्रैफिक कम होगा और लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इस परियोजना का उद्देश्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना, प्रदूषण कम करना और शहर के पर्यावरण को बेहतर बनाना है। इसी तरह मुंबई मेट्रो लाइन 11 प्रोजेक्ट को 92.400 अरब येन मिलेंगे। इससे मुंबई में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने और शहर में आवागमन को आसान बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी बड़ा निवेश किया जा रहा है। महाराष्ट्र में बेहतर अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग संस्थान बनाने के लिए 62.294 अरब येन दिए जाएंगे, जिसका उद्देश्य लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। कृषि क्षेत्र में पंजाब में टिकाऊ बागवानी (हॉर्टिकल्चर) को बढ़ावा देने के लिए 18.684 अरब येन दिए जाएंगे। इससे किसानों को ज्यादा लाभ देने वाली फसलों की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी, साथ ही कृषि ढांचे और सप्लाई चेन को मजबूत किया जाएगा। भारत और जापान के बीच विकास सहयोग का रिश्ता काफी पुराना है, जो 1958 से चला आ रहा है। आर्थिक सहयोग दोनों देशों के रिश्तों का अहम हिस्सा रहा है और यह नया फंडिंग पैकेज इस साझेदारी को और मजबूत करेगा।

संघर्ष से स्टारडम तक: अर्चना पूरन सिंह की सफलता की प्रेरक कहानी

अर्चना पूरन सिंह आज भले ही टीवी और मनोरंजन जगत की एक जानी-मानी हस्ती हैं, लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। 'कुछ-कुछ होता है' में मिसेज ब्रिगेंजा के किरदार से लेकर द कपिल शर्मा शो में जज के रूप में उनकी हंसी ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई है। देहरादून में जन्मीं अर्चना ने कम उम्र में ही अपने करियर की शुरुआत कर दी थी, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अर्चना ने अपने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। फिल्मों में आने से पहले वह कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी थीं। करमचंद जैसे लोकप्रिय शो में उन्होंने डबल रोल निभाकर अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। उस समय छोटे पर्दे पर डबल रोल करना एक बड़ी चुनौती माना जाता था, लेकिन अर्चना ने इसे बेहद सहजता से निभाया। हालांकि, यह शो ज्यादा समय तक नहीं चला, लेकिन इससे उन्हें पहचान जरूर मिली।

फिल्मी दुनिया में कदम रखना उनके लिए और भी चुनौतीपूर्ण रहा। साल 1987 में उन्हें पहली फिल्म जलवा का ऑफर मिला, लेकिन इसके लिए उन्हें कई अन्य मॉडल्स के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी। स्क्रीन टेस्ट के लिए बुलाए जाने पर वह घर से दूर थीं और उस समय उन्होंने 100 रुपये खर्च कर टैक्सी से स्टूडियो पहुंचने का फैसला किया। उस दौर में यह रकम काफी बड़ी मानी जाती थी। उन्होंने स्क्रीन टेस्ट दिया और आखिरकार उनका चयन हो गया, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान भी उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक सीन में उनके सह-कलाकार साइरस ब्रोचा उन्हें गले लगाने में झिझक रहे थे, क्योंकि वे उस समय काफी शर्मीले थे। यह सीन फिल्म के लिए बेहद जरूरी था। ऐसे में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें समझाया कि अभिनय में झिझक की कोई जगह नहीं होती। उनके समझाने के बाद ही वह सीन पूरा किया जा सका। अर्चना पूरन सिंह का करियर इस बात का उदाहरण है कि सफलता पाने के लिए धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास कितना जरूरी होता है। टीवी से लेकर फिल्मों और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म तक उन्होंने हर माध्यम में अपनी अलग पहचान बनाई है। आज वह न सिर्फ अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी सकारात्मक ऊर्जा और बेबाक अंदाज के लिए भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

2026 में वामिका गब्बी का धमाका, सात फिल्मों से करेंगी दर्शकों का मनोरंजन

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'भूत-बंगला' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहद खास साबित होने जा रहा है। अभिनेत्री इस साल एक-दो नहीं, बल्कि कुल सात फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि उनकी ये फिल्में अलग-अलग भाषाओं और जॉनर में होंगी, जिससे उनका बहुआयामी अभिनय दर्शकों को देखने को मिलेगा। वामिका गब्बी 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली फिल्म 'भूत-बंगला' से साल की शुरुआत करेंगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं और यह हॉरर-कॉमेडी जॉनर में बनी है। फिल्म में डर और हंसी का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा, जिससे दर्शकों को एक अलग अनुभव मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा वामिका करीब चार साल बाद मलयालम सिनेमा में भी वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्म 'टिकी टाका' में आसिफ अली के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके मई 2026 में रिलीज होने की संभावना है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। तमिल सिनेमा में भी वामिका अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। वह फैंटेसी फिल्म 'जिनी' में जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन के साथ नजर आएंगी। फिल्म में उनका किरदार काफी अलग और दिलचस्प बताया जा रहा है, जो दर्शकों को आकर्षित करेगा। हिंदी सिनेमा में भी वामिका की कई फिल्में लाइनअप में हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में रिश्तों की नोक-झोंक और हास्य का तड़का देखने को मिलेगा। इन दोनों फिल्मों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और ये जल्द ही रिलीज के लिए तैयार हैं। पंजाबी सिनेमा में भी वामिका 'किकली' के जरिए एक्शन अवतार में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ मंदी तखर और जोबनप्रीत मुख्य भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा वह एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'जी-2' में भी नजर आएंगी, जो साल के मध्य तक रिलीज हो सकती है। कुल मिलाकर, 2026 वामिका गब्बी के करियर के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकता है, जहां वह अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के जरिए अपनी अभिनय क्षमता का दमदार प्रदर्शन करती नजर आएंगी।

विलेन से लेकर संवेदनशील किरदारों तक: प्रकाश राज का शानदार फिल्मी सफर

'आली रे आली, आता तुमची बारी आली'यह डायलॉग सुनते ही जयकांत शिकरे का खौफनाक चेहरा सामने आ जाता है, जिसे प्रकाश राज ने फिल्म सिंघम में जीवंत किया था। अपने किरदार को और प्रभावशाली बनाने के लिए उन्होंने बॉडी लैंग्वेज में बदलाव करते हुए गुस्से को हाथों की खास हरकतों से जाहिर किया, जो स्क्रिप्ट का हिस्सा नहीं था। यही समर्पण उन्हें हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा का दमदार विलेन बनाता है। प्रकाश राज का असली नाम प्रकाश राय है, लेकिन फिल्मों में आने के बाद उन्होंने अपना सरनेम बदलकर 'राज' कर लिया, जो आज उनकी पहचान बन चुका है। फिल्मी बैकग्राउंड से न होने के कारण उनके लिए शुरुआत आसान नहीं थी। काम की तलाश में वे एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो तक पैदल जाते थे। फिल्मों और टीवी में आने से पहले वे थिएटर कलाकार थे, जहां उन्हें महीने के लगभग 300 रुपये मिलते थे। थिएटर के बाद उन्हें दक्षिण भारतीय टीवी सीरियल्स में काम मिलने लगा। कन्नड़ भाषी होने के बावजूद उन्होंने तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषाओं में भी काम किया। शुरुआती दिनों में भाषा उनके लिए चुनौती रही, लेकिन उन्होंने मेहनत से सभी भाषाएं सीखीं और आज वे खुद अपनी फिल्मों की डबिंग करते हैं। तमिल सिनेमा में उन्हें पहचान डूएट से मिली, जहां बड़े कलाकारों के बीच भी उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी। इसके बाद घिल्ली, पोकिरी और ओक्काडू जैसी फिल्मों में उनके खलनायक किरदारों ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। हिंदी सिनेमा में उनकी एंट्री वान्टेड से हुई, जिसके बाद सिंघम रिटर्न, दबंग 2 और हीरोपंती जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी विलेन की छवि को और मजबूत किया। हालांकि, उन्होंने खुद को सिर्फ नकारात्मक किरदारों तक सीमित नहीं रखा। अभिउम नानम, आकाशमंथा और धोंनी जैसी फिल्मों में उन्होंने एक संवेदनशील पिता का किरदार निभाकर दर्शकों को भावुक कर दिया। अपने अभिनय से हर भावना को पर्दे पर उतारने वाले प्रकाश राज आज भी इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में गिने जाते हैं।

सान्या मल्होत्रा की 'सुंदर पूनम' की शूटिंग शुरू

रोमांस और सस्पेंस से भरी कहानी को लेकर बढ़ा उत्साह

बॉलीवुड में इन दिनों मजबूत कंटेंट और नई कहानियों वाली फिल्मों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दर्शक अब केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ऐसी फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से भी जोड़ सकें। इसी ट्रेंड के बीच सान्या मल्होत्रा की आगामी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके को अपने सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। उन्होंने शूटिंग शुरू होने से पहले पारंपरिक मुहूर्त पूजा की और उसकी झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आता है, वहीं कुछ कैंडिड फोटोज में वह अपने सह-कलाकारों के साथ दिखाई दे रही हैं। एक वीडियो में सान्या पूजा के दौरान आरती करती नजर आती हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा कि 'सुंदर पूनम' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं, जबकि इसमें सान्या के साथ आदित्य रावल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म प्राइम वीडियो के 2026 के प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिससे इसकी पहुंच वैश्विक दर्शकों तक होने की उम्मीद है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन के रूप में नजर आईं। वीडियो में उनका किरदार पूनम एक रहस्यमयी स्थिति में दिखाई देता है, जहां उसका फोन लगातार बजता रहता है और 'सुंदर' व 'राजू' नाम से कॉल आते हैं। अंत में एक खबर सुनाई देती है कि कश्मीर में एक शादीशुदा जोड़ा लापता हो गया है, जो कहानी में सस्पेंस को और गहरा बना देता है। फिल्म की कहानी रोमांस, क्राइम और थ्रिलर का मिश्रण बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक वास्तविक घटना से प्रेरित है और इसमें एक नवविवाहित जोड़े की कहानी दिखाई जाएगी, जो हनीमून के लिए कश्मीर जाता है। इसी दौरान उनके अचानक गायब होने की खबर सामने आती है, जिसके बाद कई चौंकाने वाले खुलासे होते हैं। खास तौर पर दुल्हन पूनम के किरदार से जुड़ा रहस्य कहानी को और दिलचस्प बनाता है। कुल मिलाकर 'सुंदर पूनम' एक ऐसी फिल्म के रूप में सामने आ रही है, जो दर्शकों को भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ रहस्य और रोमांच का अनुभव भी देगी। मुंबई (ईएमएस)।

इनफ्लुएंसर्स नहीं ले सकते एक्टर्स की जगह: हितेन तेजवानी

डिजिटल युग में मनोरंजन की दुनिया तेजी से बदल रही है और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने फिल्मों व वेब शोज के कंटेंट को भी नई दिशा दी है। अब कई बड़े प्रोजेक्ट्स में ऐसे चेहरे नजर आने लगे हैं, जो पहले केवल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक सीमित थे। इस बदलाव के बीच अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या इन्फ्लुएंसर्स की बढ़ती मौजूदगी से प्रोफेशनल और प्रशिक्षित कलाकारों के अवसर कम हो जाएंगे। इसी विषय पर टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता हितेन तेजवानी ने अपनी स्पष्ट राय रखी है। हितेन तेजवानी का मानना है कि इन्फ्लुएंसर्स और एक्टर्स के बीच तुलना करना सही नहीं है, क्योंकि दोनों की भूमिका और जिम्मेदारियां अलग होती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार को निभाने के लिए मजबूत अभिनय कौशल की आवश्यकता होती है और ऐसे में मेकर्स हमेशा उसी कलाकार को चुनते हैं, जो उस भूमिका के साथ न्याय कर सके। उनके अनुसार, एक्टिंग एक ऐसी कला है जिसे सीखने, समझने और अनुभव के साथ निखारने की जरूरत होती है, और यह हर किसी के लिए आसान नहीं होती। उन्होंने फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के कार्य करने के तरीके पर भी प्रकाश डाला। हितेन के मुताबिक, शूटिंग के दौरान समय का काफी दबाव रहता है, इसलिए निर्माताओं को ऐसे कलाकारों की जरूरत होती है जो कम समय में बेहतरीन प्रदर्शन दे सकें। उन्होंने कहा कि खासतौर पर उन प्रोजेक्ट्स में, जिनकी कहानी गहरी और प्रभावशाली होती है, वहां अनुभवी और प्रतिभाशाली कलाकारों को ही प्राथमिकता दी जाती है, क्योंकि वे किरदार में गहराई और विश्वसनीयता ला सकते हैं। हितेन ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी प्रोजेक्ट में काम करना या न करना कलाकार का व्यक्तिगत निर्णय होता है। हर अभिनेता अपनी पसंद, स्क्रिप्ट और भूमिका के आधार पर काम चुनता है। ऐसे में यह कहना गलत होगा कि इन्फ्लुएंसर्स पूरी तरह से एक्टर्स के अवसर छीन लेंगे। उनके अनुसार, इंडस्ट्री में सभी के लिए जगह है और हर वर्ग का अपना महत्व है। उन्होंने यह भी माना कि किसी प्रोजेक्ट में अगर कोई लोकप्रिय चेहरा जुड़ता है, तो उससे उसकी पहुंच बढ़ती है और ज्यादा दर्शकों तक पहुंचने में मदद मिलती है। हालांकि, इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि कहानी को मजबूती देने के लिए अनुभवी और कुशल कलाकार मौजूद हों। थिएटर और एक्टिंग बैकग्राउंड से आने वाले कलाकारों की सराहना करते हुए हितेन तेजवानी ने कहा कि ऐसे कलाकार अपने अनुभव और गहरी समझ के जरिए किरदार को जीवंत बना देते हैं। उनकी मेहनत और कला कहानी को अधिक प्रभावशाली बनाती है, जो दर्शकों के दिल तक पहुंचती है।

Kharge rebuffs government again on women quota, seeks all-party meet after polls

NEW DELHI, Agency: : Rebuffing fresh overture from the Centre for a meeting to discuss amendments to the women's reservation bill, Congress president Mallikarjun Kharge Thursday wrote to the Modi government that the opposition is "extremely busy" with assembly election campaign and reiterated the demand that the government call an all-party meeting after April 29 when voting closes for the polls.

However, for the first time since talk of amending the quota bill started, Kharge has indicated the opposition's readiness to facilitate implementation of 33% women's reservation in legislatures from 2029. Also, the government is learnt to have formally told Kharge that it wants to delink Census and delimitation from the women's quota matter.

Parliamentary affairs minister Kiren Rijiju Thursday, wrote to Kharge seeking a meeting to discuss the issue. In response, Kharge chided the government for being in a "great hurry" to "amend a Constitutional amendment Act 30 months after it was initially passed", and asked it to wait till the end of polls.

"We are all extremely busy with the election campaign. That is the reason why we had suggested that the meeting be held after the campaign is over," he wrote, adding, "This will, in no way, affect the implementation of the amended Nari Shakti Vandan Adhiniyam, 2023, from the 2029 Lok Sabha election onwards." On Tuesday, opposition INDIA bloc, barring TMC, wrote to the government that it

should call an all-party brainstorming on amending the landmark bill. It demanded that the government circulate its proposal of amendments in advance for better discussion. Kharge has twice before rejected a Congress-only meeting plea from the government, and told it to discuss the issue with the entire opposition camp.

Berating the govt, Kharge wrote, "On Sept 21, 2023, during debate in Rajya Sabha, I had myself demanded the immediate implementation of Nari Shakti Vandan Adhiniyam, 2023, but the govt had not agreed with my demand."

Congress spokesman Jairam Ramesh said the implication of the govt's fresh plea is that it wants to amend 334-A(1), which is abrupt since the clause to the Constitution was passed just over two years ago. Pointing to the ongoing polls, he said, "The Election Commission's Model Code of Conduct has been reduced to being the Modi Code of Campaigning.

Calling a special two-day session any day in April would violate one MCC but will be in keeping with the other."

SC: For requisitioned vehicles govt to pay 3rd party damages

NEW DELHI, Agency: Supreme Court has said that if a private vehicle requisitioned by a district administration meets with an accident, then liability would be fastened on govt and not the insurance company for payment of compensation.

A bench of Justices Sanjay Karol and N K Singh said, "Where a vehicle is requisitioned for public functions and an incident occurs during the period of such requisition, liability ought properly to be borne by the requisitioning authority, and not by the insurer engaged by the owner for the vehicle's regular and voluntary use." A bus owned by Kidzee Corner School in Gwalior was requisitioned by the district administration for gram panchayat elections. During this period, it hit a motorcyclist causing his death in Jan 2010. The Motor Accident Claims Tribunal awarded compensation of Rs 5.1 lakh with 6% interest. SC in 2024 had enhanced the compensation to Rs 27 lakh.

Rejecting the district administration's plea that fastening liability on civic authorities would send a wrong signal, a bench of Justices Sanjay Karol and N K Singh said when govt requisitions a private vehicle, its owner is divested of custody.

Writing the judgment, Justice Karol said, "During this period, the owner neither directs its use nor derives any benefit from it. It only stands to reason that in such circumstances, if an untoward incident occurs, responsibility would properly rest with the requisitioning authority and not with the insurer engaged by the owner."

President urged not to grant assent to transgender bill

NEW DELHI, Agency: Over 140 lawyers, law students, feminists and social activists have written to President Droupadi Murmu urging her not to grant assent to the Transgender Persons (Protection of Rights) Amendment Bill, 2026, and instead send it back to Parliament for reconsideration.

The controversial bill was passed in Lok Sabha and Rajya Sabha on Tuesday and Wednesday, respectively, amid demands from the opposition that it be referred to a parliamentary standing committee for wider consultations. The bill now awaits the President's assent to become law.

The signatories of the letter - members of All-India Feminist Alliance (ALIFA) and National Alliance for Justice, Accountability and Rights (NAJAR) - highlight the omission of the provision through amendments to the 2019 law that guaranteed every person the right to "self-perceived gender identity". They cited this denial as a violation of Constitutional rights.

Members of ALIFA and NAJAR - platforms associated with the National Alliance of People's Movements (NAPM) - in the letter said they are "alarmed" and "distressed" at the undue and unjustifiable haste with which LS and RS passed the "deeply problematic and regressive" bill, "disregarding community concerns, opposition voices and in violation of multiple binding Supreme Court judgments".

The letter said,"In the National Legal Services Authority v. Union of India (2014), SC held that the right to self-determination/self-identification of one's gender is a fundamental right protected under the Constitution. The bill omits Section 4(2) of the Principal Act, which guaranteed every person the right to self-perceived gender identity, thereby violating constitutional rights of citizens of India."

Freebies first, development later? Karnataka cuts programs to fund welfare schemes, CAG flags deficit risks

NEW DELHI, Agency: The Karnataka government's growing expenditure on welfare schemes has placed pressure on its finances, forcing cuts in some ongoing programmes, the Comptroller & Auditor General (CAG) said in its report for the 2024-25 fiscal, tabled in the Assembly on Thursday.

Guarantee schemes consume significant revenue

The CAG noted that the state spent Rs 52,525 crore on five guarantee schemes - Shakti, Gruha Lakshmi, Gruha Jyoti, Yuva Nidhi and Anna Bhagya, in 2024-25.

The report said this accounted for around 20% of revenue receipts and 27% of the state's own revenue, highlighting the schemes' heavy burden on the budget.

"Though the revenue growth is stable, it is insufficient to absorb the recurring costs of the guarantee schemes and hence the state needs to rely on borrowings to fund the guarantee schemes," the report said.

Army puts to test its new 'Shaurya' drone squadron for tank units

NEW DELHI, Agency: Learning from Operation Sindoor, the Indian Army is equipping its armoured regiments with dedicated drone units known as 'Shaurya Squadrons'. These units are being integrated into tank formations to support surveillance, precision strikes, electronic warfare and logistics, adding drone capabilities directly to armoured operations.

Just a few days ago, the Army tested a Shaurya Squadron in a realistic battle environment at Babina Field Firing Ranges near Jhansi, where Southern Army Commander Lt Gen Dhiraj Seth witnessed a drone squadron in action. Led by the White Tiger Division under the Sudarshan Chakra Corps, the 13-day drill showed how drone support added extra punch to the fire power of armoured regiments.

On X, the Southern Command said, "Fielded in a realistic battle environment, Shaurya Squadron demonstrated the seamless integration of real-time surveillance assets with mechanised forces, attack helicopters, swarm strikes and coordinated firepower, enhancing battlefield awareness, compressing the sensor-to-shooter cycle and enabling swift, decisive battlefield response."

A source in the Army told Media that "5-6 Shaurya Squadrons have been activated till now". "However, the concept of the drone unit integration is still at a nascent stage and more trials are needed for perfection. The formal raising of such units will happen after a formal approval is received," the source said.

The Army operates one of the world's largest main battle tank fleets with 63 armoured regiments. Each regiment is typically equipped with about 45 tanks, constituting a total fleet of roughly 4,500 tanks, including T-90S Bhishma, upgraded T-72 M1 'Ajeya', and Arjun MK1/MK1A variants.

Drawing lessons from global conflicts, including Russia-Ukraine war, that are drone-centric, the Indian Army is gradually pushing to institutionalise UAV or drone capabilities across its arms.

In the infantry, the Army last year raised Ashni platoons, equipped with surveillance UAVs and loitering munitions for tactical ISR (intelligence, surveillance and reconnaissance) and strike roles. In the artillery, Divyastra batteries have been raised to integrate UAV-based targeting with conventional guns for faster and more autonomous engagement cycles.

Too many meds in old age? Cutting back could be safe

NEW DELHI, Agency: For many elderly people, a typical day begins with a handful of pills - for blood pressure, diabetes, cholesterol and heart disease. But a new global review suggests that in very frail older adults, continuing all long-term medicines may not always be necessary - and in many cases, carefully stopping some of them may be safe.

The findings, published in the journal 'BMC Geriatrics', come from an analysis of patients with advanced frailty, dementia or limited life expectancy - a group often prescribed multiple medicines despite unclear long-term benefit. Researchers found that reducing or discontinuing such drugs did not lead to a rise in deaths or major complications in most cases.

Many of these medicines are meant to prevent problems years later. But for frail

or seriously ill patients, those benefits may never be realised. Instead, taking multiple drugs can increase the risk of dizziness, weakness, confusion and falls, often leading to hospitalisation.

Doctors say this pattern of "polypharmacy", where patients take several medicines at once, is increasingly common among the elderly in India. "They often see multiple specialists and prescriptions are not always reviewed together. In frail older adults, over-treatment can do more harm than good - for instance, aspirin for primary prevention should be avoided, excessive blood pressure control can lead to falls, and drugs like diuretics, insulin or sulfonylureas can cause electrolyte imbalance or hypoglycaemia. The focus sho-uld be on reducing medicines where the risks outweigh the benefits," said Dr Pulin Gupta, professor in the department of medicine at Ram Manohar Lohia Hospital.

"In frail elderly patients, stopping some preventive medicines is generally safe if done carefully, though those with prior heart attack or stroke need caution," said Dr Rommel Tickoo, director of internal medicine at Max Hospital, Saket. He added that commonly overused drugs include statins for primary prevention, tightly controlled diabetes medicines like insulin or sulfonylureas, multiple blood pressure drugs, sleeping pills, long-term acid suppressants and anticholinergics.

Fewer flights, no fare caps Domestic airfares set to soar

NEW DELHI, Agency: Be prepared for expensive domestic flights this summer, just like international flights have been since the outbreak of Iran war. The summer schedule is likely to see about 3,000 weekly fewer domestic flights - a 12% decline - over last summer's 25,610. With the fare caps gone and the number of flights reduced, cost of travel is set to soar under the summer schedule that is effective from March 29.

"A significant hike in aviation turbine fuel prices is expected from April 1. That will mean a serious increase in operating costs and fares. Though Air India group, IndiGo and Akasa have either hiked or levied, that will mean nothing compared to the ATF hike being anticipated. At those levels, only a handful of either profitable (read IndiGo)

or backed by cash-rich groups (read Tata for Air India) will be able to operate flights as per demand. Some weak players simply won't have funds to fill up their planes and will struggle to remain afloat," said an industry insider.

Airlines know hiking fares beyond a point will mean hurting demand, which will then mean operating fewer flights. The approved schedule anyway is the maximum number of flights that an airline can operate. The number that is actually does depends on supply, demand and operating costs, among other things.

Delhi leads state-wise donations to national parties, shows ADR analysis

NEW DELHI, Agency: Data on state-wise donations to national parties for the financial year 2024-25 puts the national capital at the top. A total of Rs 2,639.4 crore was donated to national parties from Delhi, followed by Rs 2,438.8 crore from Maharashtra and Rs 309.1 crore from Gujarat.

Besides Delhi, Maharashtra and Gujarat, the top five states in terms of state-wise donations include West Bengal with donations to national parties standing at Rs 254.1 crore followed by Karnataka (Rs 220.4 crore). The other 28 states and UTs made donations amounting to Rs 778.8 crore.

This analysis is part of a new report by the Association for Democratic Reforms that states that segregation of donations according to state was made based on the addresses provided by the parties in their donations report to the Election Commission of India.

The ADR report released on Thursday focuses on donations above Rs 20,000, received by the national political parties during the financial year 2024-25, as per details submitted by the parties to EC. The national parties include BJP, Congress, BSP, CPI(M), AAP and National People's Party (NPEP).

The analysis shows that AAP received Rs 55,000 from three donations from the US.

A little over Rs 7.6 cr (0.115% of total donations received by the national parties) could not be attributed to any State/ Union Territory due to incomplete/undeclared information provided by the parties.

The total donations (above Rs 20,000) declared by the national parties for FY 2024-25 was Rs 6,648.5 crore from 11,343 donations. The report shows that a total of Rs 6,074 crore from 5,522 donations were declared by BJP followed by Rs 517.3 crore from 2,501 donations were declared by Congress.

"The donations declared by BJP are more than ten times the aggregate declared by INC, AAP, CPI(M) and NPEP for the same period," the report said.

Meanwhile, BSP declared that the party did not receive any donations above Rs 20,000 during FY 2024-25, as it has been declaring for the past 19 years.

The ADR analysis shows that the total donations of the national parties during FY 2024-25 increased by Rs 4,104.2 crore, an increase of 161% from the previous financial year 2023-24.